CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 193 ता. 28 जनवरी 2022, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति ने भी की थी टीपू सुल्तान की तारीफ, क्या भाजपा मांगेगी इस्तीफा: राउत

मुम्बई। टीपू सुल्तान के नाम पर मुंबई में एक खेल परिसर बनाए जाने पर छिड़े विवाद को लेकर संजय राउत ने भाजपा पर पलटवार किया है। उन्होंने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी ओर से भी टीपू सुल्तान की तारीफ की गई थी। उनका कहना था कि टीपू सुल्तान ऐतिहासिक योद्धा थे, स्वतंत्रता सेनानी थे। क्या भाजपा राष्ट्रपति से उनका इस्तीफा मांगेगी? भाजपा को इस पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। टीपू सुल्तान के मुद्दे पर वह ड्रामा कर रही है। दरअसल महाराष्ट्र कांग्रेस नेता और मंत्री असलम शेख ने मुंबई की मुस्लिम बहुल मालवानी कॉलोनी में बने पार्क का नाम टीपू सुल्तान पर रखे जाने की पहल की है। इसी को लेकर भाजपा आपत्ति जता रही है। संजय राउत ने उद्धव सरकार के मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि यदि वे कहते हैं कि टीपू पर किसी प्रतिष्ठान का नाम रखा जा सकता है तो फिर वे ऐसा कर सकते हैं। राज्य सरकार फैसले लेने में सक्षम है। नया इतिहास लिखने का प्रयास न करें। आप दिल्ली में लगातार इतिहास को बदलने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन उसमें सफल नहीं होंगे। यही नहीं उन्होंने भाजपा के इतिहास ज्ञान पर भी सवाल उठाया। संजय राउत ने कहा, 'भाजपा को लगता है कि उन्हें ही इतिहास के बारे में जानकारी है। हर कोई नया इतिहास लिखने के लिए बैठ गया है। ये इतिहासकार यहां इतिहास को बदलने के लिए हैं। हम टीपू सुल्तान के बारे में जानते हैं। हमें भाजपा से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है।' बता दें कि मालवानी इलाके में यह ग्राउंड काफी समय से है, जिसका पुनरुद्धार कांग्रेस विधायक ने कराया है।

दिल्ली में हैवानियत

महिला से सामूहिक दुष्कर्म, बाल काटे और मुंह पर कालिख पोत गलियों में घुमाया

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले में गणतंत्र दिवस के दिन एक ऐसी घिनौनी घटना घटी जिसने देश की राजधानी का सिर एक बार फिर झुका दिया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक शाहदरा में आपसी दुश्मनी के चलते एक महिला को अगवा कर चार लोगों ने उसका दुष्कर्म किया। दरिंदे यहीं नहीं रुके इसके बाद उन्होंने महिला के बाल काटे और फिर उसके मुंह में कालिख पोतकर उसे घुमाया भी गया। पुलिस ने बताया कि दुष्कर्म के बाद आरोपियों ने उसके बाल काटे फिर उसे जूतों की माला पहनाकर सड़कों पर घुमाया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने इस घटना को रोकने के बजाय आरोपियों का उत्साह बढ़ाया। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। स्वाति ने ट्वीट किया, कस्तूरबा नगर में 20 साल की लड़की का अवैध शराब बेचने वालों द्वारा गैंगरेप किया गया, उसे गंजा कर, चप्पल की माला पहना पूरे इलाके में मुंह काला करके घुमाया। मैं दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर रही हूं। सब अपराधी आदमी औरतों को अरेस्ट किया जाए और लड़की और उसके परिवार को सुरक्षा दी जाए। इस मामले की दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी निंदा की है। उन्होंने स्वाति मालीवाल के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, 'ये बेहद शर्मनाक है।

अपराधियों की इतनी हिम्मत हो कैसे गई? केंद्रीय गृहमंत्री जी और उपराज्यपाल जी से मैं आग्रह करता हूं कि पुलिस को सख्त एक्शन लेने के निर्देश दें, कानून व्यवस्था पर ध्यान दें। दिल्लीवासी इस तरह के जघन्य अपराध और अपराधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इतिहास ही रहेंगे, सैफई महोत्सव की याद दिला योगी का अखिलेश पर निशाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अब यूपी की पहचान 'दिव्य कुंभ' और 'भव्य दीपोत्सव' है। योगी ने सैफई महोत्सव के बहाने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग इससे यूपी की पहचान बनाना चाहते थे वह अब इतिहास हैं और इतिहास ही रहेंगे। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को ट्वीट किया, "प्रदेश की पहचान अब 'दिव्य कुंभ' और 'भव्य दीपोत्सव' से है, वही रहेगी...। प्रदेश की पहचान 'सैफई महोत्सव' से बनाने की लालसा रखने वाले अब इतिहास हैं, इतिहास ही रहेंगे...।" गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान मुलायम के गांव सैफई में हर साल सैफई महोत्सव का आयोजन किया जाता था, जिसमें बॉलीवुड के सभी बड़े कलाकार आकर परफॉर्मेंस देते थे।

अरबों रुपए के सरकारी खर्च पर होने वाले इस महोत्सव को लेकर अखिलेश सरकार को काफी आलोचनाओं का शिकार करना पड़ा था। 2017 में बीजेपी की सरकार के सत्ता में आने के बाद यह प्रथा बंद हो गई।

बीजेपी के न्योते पर जयंत चौधरी का जवाब

बोले: मैं कोई चवन्नी नहीं जो पलट जाऊं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न दलों में नेताओं के दलबदल के साथ ही गठबंधनों के बनने-बिगड़ने को लेकर सम्भावनाओं और आशंकाओं का दौर भी अभी थमा नहीं है। कल बीजेपी सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा के नई दिल्ली स्थित आवास पर पंचायत और ज़िला स्तर के करीब 200 प्रभावी जाट नेताओं की बैठक हुई थी। इसी दिन भाजपा की ओर से राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी को ऑफर दिया गया था। गुरुवार को जयंत चौधरी ने इस न्योते को ठुकराते हुए तमाम सम्भावनाओं पर विराम लगा दिया। उन्होंने कहा, 'मैं कोई चवन्नी नहीं जो पलट जाऊं।' जयंत चौधरी ने कहा कि कल रात से एक खबर चल रही है कि

दिल्ली में एक बहुत बड़ी बैठक हुई। ये लोग कहां गए थे जब लखीमपुर में किसानों को कुचला गया, रौंदा गया। पशु के ऊपर भी कोई इस तरह से गाड़ी, इंसानियत रखने वाला, कोई भी इंसान इस तरह की वारदात नहीं करेगा। आज भी वे लोग मंत्री बने बैठे हैं। ये लोग कहां थे जो आज मुझसे-आपसे उम्मीद कर रहे हैं। मैं कोई चवन्नी हूं जो पलट जाऊंगा। ये हमारे मान-सम्मान की बात है। ये फैसले मैं अकेले नहीं लेता। बहुत सोच विचार कर हमने ये फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश की जनता की जो मूल समस्याएं हैं उनका हल कैसे निकाला जाए। आज जो सरकारें हैं वो सुनती नहीं। उत्तर प्रदेश की 11 समस्याएं हैं, उनका हल निकलना चाहिए। हम सत्ता में आज जाएंगे तो प्रयास करेंगे ईमानदारी से लेकिन मुझे ये अहंकार नहीं है कि मैं कह दूं कि सारी समस्याएं सुलझ जाएंगी। बहुत बड़ी-बड़ी चुनौतियां हैं। हम ईमानदारी से प्रयास करेंगे। बीजेपी सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा था कि जयंत चौधरी गलत रास्ते पर चले गए हैं और बीजेपी ने उनके लिए अपने दरवाजे अब भी खुले रखे हैं। वहीं, जयंत चौधरी ने कल ही बीजेपी के ऑफर को ठुकराते हुए कहा था कि उनकी बजाय बीजेपी को उन 700 किसान परिवारों का न्योता देना चाहिए, जिनके घर उजड़ गए।

राहुल गांधी का ट्विटर के सीईओ को पत्र: मेरे फॉलोअर्स कम किए गए, इसे मोहरा न बनने दें...

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले महीने ट्वीटर के उएड पराग अग्रवाल को शिकायत भरा पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाने में ट्विटर की अनजाने में मिलीभगत रही है। उन्होंने एक सरकारी अभियान पर प्लेटफॉर्म पर उनकी पहुंच को दबाने का आरोप लगाया। पत्र में राहुल के ट्विटर अकाउंट के डेटा के विश्लेषण के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता शशि थरूर के साथ तुलना शामिल थी। इसमें राहुल ने कहा कि 2021 के पहले सात महीनों में उनके अकाउंट पर औसतन लगभग 4 लाख फॉलोअर्स जोड़े गए, लेकिन पिछले साल अगस्त में 8 दिनों के निलंबन के बाद कई महीनों के लिए ये ग्रोथ अचानक से रुक गई। इस दौरान दूसरे नेताओं की फॉलोअर्स की संख्या बरकरार थी। कांग्रेस नेता ने अपने शिकायत भरे पत्र में लिखा कि हर महीने 2.3 लाख से भी ज्यादा की रफ्तार से नए फॉलोअर उनसे जुड़ रहे थे, जो कि किसी-किसी महीने तो 6.5 लाख तक पहुंच जाते थे। हालांकि, अगस्त 2021 से उनके नए फॉलोवर्स की संख्या में गिरावट आने लगी, वह हर महीने सिर्फ 2,500 की दर पर आ गई है। इस तरह उनके 1.95 करोड़ फॉलोअर्स की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। 27 दिसंबर को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा, शायद यह संयोग नहीं है। इन महीनों के दौरान मैंने दिल्ली में बलात्कार पीड़िता के परिवार की दुर्दशा का मुद्दा उठाया, किसानों के साथ एकजुटता से खड़ा रहा और कई दूसरे मानवाधिकार मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछे।

मथुरा: गुंडे गले में पट्टा डालकर कर रहे सरेंडर

राधे-राधे बोलकर फिर बनवा दो सरकार: मथुरा में बोले अमित शाह

मथुरा। एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करते अमित शाह ने कहा कि यही वह क्षेत्र है, जिसने कान्हा को भगवान कृष्ण बना दिया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण ने असुरों का यहीं पर नाश किया था। उन्होंने कहा कि 2014, 2017 और 2019 में जब भी डिब्बे खुले तो कमल ही निकला। भाजपा की यह सरकार किसी एक जाति की नहीं है बल्कि संपूर्ण समाज की है। उन्होंने कहा कि कान्हा को श्रीकृष्ण बनाने वाला क्षेत्र मथुरा ही है। अमित शाह ने कहा कि आप ही बताइए कि राजनीति में जातिवाद होना चाहिए क्या? उन्होंने कहा कि लंबे समय तक यहां जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टीकरण का राज रहा। उन्होंने कहा कि 5 साल के बाद भी अखिलेश यादव के यहां नोटों का भंडार मिलता है। उत्तर प्रदेश में 5 साल पहले समाजवादी पार्टी की सरकार में गुंडाराज था या नहीं था। महिलाएं और बेटियां परेशान थीं। लेकिन भाजपा की सरकार आई तो गले में पट्टी लगाकर ये गुंडे सरेंडर कर रहे हैं। इन लोगों पर जब गाज गिरती है तो अखिलेश यादव के पेट में दर्द होता है। आजम खान को पकड़ा तो धाराएं कम पड़ गईं। इतने केस उनके ऊपर लगाए गए। माफियाओं के हाथों से भाजपा सरकार ने

जमीनों से कब्जे छुड़ाए हैं। यहां भाजपा सरकार कानून व्यवस्था लेकर आई है। अखिलेश यादव को कानून व्यवस्था पर बात करने से पहले चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए। अखिलेश बाबू के शासन के मुकाबले भजपा के राज में डकैती में 70, लूट में 72 और हत्या में 29 फीसदी की कमी आई है। इसके अलावा अपहरण के मामलों में 35 फीसदी की कमी आई है। अमित शाह ने लोगों से वोट देने की अपील करते हुए कहा कि राधे-राधे करके आशीर्वाद दे दो, अगले 5 सालों में यूपी को देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाने का काम करेंगे। ऊर्जा मंत्री आपके ही जिले के हैं। अब हर जिले में बिजली में सुधार हुआ है। क्या ऐसी बिजली पहले आती थी। उन्होंने ब्राह्मणों को लुभाते हुए कहा कि हम भगवान परशुराम के नाम पर पार्क बना रहे हैं। इसके अलावा मथुरा में भव्य कृष्ण महोत्सव का आयोजन हो रहा है। 10 किलोमीटर के क्षेत्र को तीर्थस्थान घोषित कर विकास किया जा रहा है। बृज तीर्थ विकास परिषद की स्थापना की गई है। मोदी सरकार ने 1.67 करोड़ परिवारों के घरों में गैस चूल्हे पहुंचाने का काम किया है। इसके अलावा 2 करोड़ 61 लाख शौचालय बनवाए गए हैं। महिलाओं को अपमान झेलना पड़ता था। इसलिए इन शौचालयों को इज्जत घर का नाम दिया गया है। आज मोदी जी ने इन परिवारों का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। यही नहीं 42 लाख परिवारों को सरकार की ओर से घर देने का काम दिया गया है। दो करोड़ से ज्यादा किसानों को पीएम किसान योजना के तहत मदद दी गई है। अमित शाह ने कहा कि आज मुफ्त बिजली की बात की जा रही है। अरे भाई अखिलेश, आप तो बिजली ही नहीं दे पाए थे। मुफ्त बिजली क्या दोगे।

श्वेता तिवारी ने भगवान को लेकर दिया आपत्तिजनक बयान, गृह मंत्री ने भोपाल कमिश्नर से मांगी रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में टीवी कलाकार ने विवादित बयान दिया है। एक वेब सीरीज के प्रमोशन से जुड़े कार्यक्रम में श्वेता ने कहा कि ब्रा की साइज भगवान ले रहे हैं। मजाकिया अंदाज में उन्होंने यह बात तो कह दी, पर इसे लेकर बवाल खड़ा हो गया है। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भोपाल कमिश्नर मकरंद देउस्कर को 24 घंटे में जांच करने और रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मनीष हरिशंकर की वेब सीरीज शोस्टॉपर्स की शूटिंग मध्य प्रदेश में चल रही है। इस सिलसिले में रोहित राय, कंवलजीत, सुरभराज जैन के साथ

श्वेता तिवारी भोपाल में हैं। प्रमोशन इवेंट में श्वेता तिवारी ने आपत्तिजनक कमेंट किया। इस पर बवाल मचते ही गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को कहा कि मैंने वह वीडियो देखा है। सुना है। मैं इस बयान की निंदा करता हूं। मैंने भोपाल पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया है कि 24 घंटे में इसके तथ्यों और विषय, संदर्भ की जांच की जाए। उसके बाद मुझे रिपोर्ट सौंपें।

कांग्रेस को लगेगा एक और बड़ा झटका, सपा में वापसी कर सकते हैं राज बब्बर

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में जाने के बाद कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में एक और बड़ा झटका लगने जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और अभिनेता राज बब्बर एक बार फिर समाजवादी पार्टी में शामिल होने की अटकलें हैं। सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही वह सपा में घर वापसी करेंगे। सपा के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने क्यू पर इशारा करते हुए लिखा कि कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष , पूर्व समाजवादी नेता, अभिनेता जल्दी ही समाजवादी होंगे।" कांग्रेस प्रवक्ता ने जो तीन

इशारे किए हैं वे सभी राज बब्बर की ओर संकेत कर रहे हैं। गौरतलब है कि राज बब्बर ने राजनीतिक करियर की शुरूआत जनता दल से की थी। 5 साल तक जनता दल के साथ रहने के बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। 1994 में सपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा तो 2004 में सपा के टिकट पर ही जीतकर पहली बार लोकसभा पहुंचे। 2006 में उन्होंने सपा से नाता तोड़ लिया और करीब दो साल बाद 2008 में कांग्रेस का दामन थाम लिया था। 2009 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर फिरोजबाद सीट से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को हराया था। 2014 में कांग्रेस ने उन्हें गाजियाबाद सीट से जनरल वीके सिंह के खिलाफ उतारा, लेकिन राज बब्बर को हार का सामना करना पड़ा। 2016 में उन्हें यूपी कांग्रेस की कमान दी गई थी। राज बब्बर यूपी के टुंडला के रहने वाले हैं।

चोरी होने पर बिना थाने गए ऑनलाइन करा सकेंगे केस दर्ज, दिल्ली पुलिस ने लॉन्च किया ई-एफआईआर ऐप

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को को एक ई-एफआईआर ऐप लॉन्च किया। इस ऐप के जरिए लोग चोरी जैसी घटनाओं के बारे में तुरंत ऑनलाइन ही शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इस ऐप को बुधवार को दिल्ली पुलिस के कमिश्नर राकेश अस्थाना ने लॉन्च किया। मालूम हो की अभी साधारण चोरी, गाड़ियों की चोरी और गैर-संज्ञेय रिपोर्ट के मामले में ई-एफआईआर दर्ज कराने की सुविधा है, जिसे दिल्ली के पूर्व पुलिस कश्मिनर बी एस बस्सी ने 2015 में शुरू किया था। पुलिस कश्मिनर राकेश अस्थाना ने मंगलवार को आदेश जारी कर कहा, 'दिल्ली पुलिस ने मौजूदा सिस्टम में पूरी तरह बदलाव के वेब एप्लिकेशन की सीरीज डेवलप की है, ताकि शिकायतकर्ता ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने के साथ-साथ तुरंत उसकी एक कॉपी पुलिस स्टेशन जाए बिना प्राप्त कर सकें। 26 जनवरी से घर की चोरी और सेंधमारी से संबंधित रिपोर्ट के लिए ई-एफआईआर एप्लीकेशन सिस्टम सक्रिय किया जा रहा है। इससे लोगों को शिकायत दर्ज कराने में काफी

आसानी होगी और जांच की कार्रवाई में भी तेजी आएगी।' उन्होंने आगे कहा कि इससे राजधानी में चोरी की गई संपत्ति के लिए तत्काल ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने से अधिकारियों को जांच में तेजी लाने में मदद मिलेगी। और पुलिस स्टेशनों और अदालतों में लंबित मामलों को कम करने के लिए समय पर निपटाने में सुविधा भी होगी। बता दें कि ऑनलाइन एफआईआर आवेदन पर पिछले कई महीनों से काम चल रहा है और संबंधित विभागों से तकनीकी-कानूनी पहलुओं पर चर्चा की गई है। पुलिस कश्मिनर राकेश ने यह भी कहा कि लोग तीन शर्तों पर ई-एफआईआर दर्ज कर सकते हैं, जिसमें क्राइम दिल्ली के एनसीटी के अधिकार क्षेत्र में होना चाहिए। आरोपी को शिकायतकर्ता का पता नहीं होना चाहिए या रंगेहाथ पकड़ा जाना चाहिए और कोई भी घायल नहीं होना चाहिए या इस घटना में कोई भी घायल या मेडिको लीगल केस (एमएलसी) नहीं होना चाहिए। अस्थाना ने संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने के जांच अधिकारियों के कर्तव्यों के बारे में भी बताया और सभी जांच अधिकारियों (आईओ) को 24 घंटे के भीतर शिकायतकर्ता से संपर्क करने, उचित जांच करने, वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने और शिकायतकर्ता को मामलों की प्रगति के साथ समय-समय पर अपडेट करने का निर्देश दिया।

संक्षित समाचार

रालोद कार्यालय पर 73वे गणतंत्र दिवस पर किया झंडारोहन

संवाददाता

गाजियाबाद। 73वे गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रीय लोक दल कार्यालय पर झंडा फहराया गया। जिसमें मुरादनगर विधानसभा के रालोद सपा के सयुक्त प्रत्याशी पंडित सुरेंद्र कुमार मुन्नी, जिला अध्यक्ष चौधरी तेजपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष अरुण चौधरी भुल्लन, ओडी त्यागी , युवा अध्यक्ष हिमांशु नागर, भूपेंद्र बॉबी, लोकेश कटारिया,विशाल सिरोही ,बुद्धि प्रकाश त्यागी, अशोक तेवतिया, रॉकी चौधरी, पवन चौधरी ,संजय चौधरी, संगीता चौधरी , मोरिया जी आदि लोग उपस्थित रहे।

32 पेटी शराब के साथ चार गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-58 पुलिस ने जांच के दौरान मंगलवार को सेक्टर-62 स्थित कार्ल हूबर स्कूल के पास लग्जरी कार से 32 पेटी हरियाणा मार्का शराब बरामद की है। पुलिस ने कार सवार चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। नोएडा जोन के एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान वाजिदपुर निवासी राहुल, गोविंदपुरम गाजियाबाद निवासी रवि, बुलंदशहर निवासी राजकुमार और विनोद नगर, दिल्ली निवासी सुरेंद्र के रूप में हुई। बरामद शराब की कीमत करीब 3.50 लाख रुपये बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि विधानसभा चुनाव में शराब को खपाया जाना था। राहुल पर नोएडा-एनसीआर के अलग-अलग थानों में 13 मुकदमे दर्ज होने के बारे में पता चला है। पुलिस छानबीन कर रही है। कोतवाली एक्सप्रेसवे पुलिस ने लगभग 3 किलोग्राम गांजे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नवादा निवासी रिंकू यादव के रूप में हुई। रिंकू मूलरूप से मैनपुरी के महुवन का रहने वाला है।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल ने मनाया ऑनलाइन गणतंत्र दिवस समारोह

नोएडा। 26 जनवरी 1950 को हमारे देश आजाद हिंदुस्तान का संविधान लागू हुआ था। इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है इसलिए हर वर्ष ग्रेटर नॉएडा स्वर्ण नगरी स्थित जी डी गोयनका स्कूल में मंगलवार दिनांक 25 जनवरी को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर प्री प्राइमरी के छात्रों ने इस मुख्य त्यौहार को बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया। कक्षा 2 के छात्रों ने विभिन्न प्रान्तों की पोशाकों में नृत्य प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। और स्वतन्त्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष से प्रेरणा लेने का सन्देश दिया। छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये और इस त्यौहार को यादगार बनाया। हमारे विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ। रेनू सहगल जी ने छात्रों को गणतंत्र दिवस की बहुत शुभकामनाएं दी और कहा कि आप आने वाले भविष्य हैं और एक ईमानदार ,जिम्मेदार नागरिक के रूप अपने जीवन को नियंत्रित कर देश की सेवा करें।

भाजपा विधायक व दादरी प्रत्याशी तेजपाल नागर ने सूरजपुर मंडल का किया तूफानी दौरा

ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी दादरी विधानसभा के प्रत्याशी विधायक तेजपाल नागर ने दादरी विधानसभा सूरजपुर मंडल में तूफानी दौरा करके वोट माँगे उन्होंने संतोष नगर कॉलोनी तिलपता साकीपुर सोसायटी डिजाइन आर्क मिग्सन पैरमाउंट शिवालिक होम लॉ गलक्सिया ओसिस सॉसायटी गुलस्तानपुर सुरजपुर की कलोनिया मलकपुर मुबारकपुर लखलावनी आदि स्थानों पर पहुँच कर वोट माँगे और उन्होंने सूरजपुर मैं वोट माँगते हुए कहा कि अब प्रदेश में दोबारा से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने उसके लिए सभी नगरवासी अधिक से अधिक मतदान करें और कमल के फूल पर वोट करें प्रदेश के विकास के लिए क्षेत्र के विकास के लिए प्रदेश में अमन शांति का माहौल बना रहे इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी करमवीर आर्य जिला महामंत्री है धर्मेन्द्र कोरी लोकमन प्रधान प्रकाश प्रधान मूलचंद प्रधान ओमवीर बैसला लक्ष्मण सिंघल रवि जिन्दल मनोज भाटी विनोद पंडित संजीव चौहान सचिन जिंदल वेद प्रजापति सतपाल प्रजापति सुनील प्रधान आदि कार्यकर्ता जनसंपर्क में साथ रहे।

बाल्मीकि समाज ने दिया मदन भैया को समर्थन

जो लोग समाज में जहर घोलते हैं वह कभी क्षेत्र का विकास नहीं कर सकते: मदन भैय्या

संवाददाता

लोनी। रालोद सपा गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया ने एक चुनावी नुक्कड़ सभा की वह अपने संबोधन में कहा कि लो निवासी 5 साल से नफरत की राजनीति को झेल रहे हैं जो लोग समाज में जहर बोलते हैं वह कभी विकास नहीं करते। मदन भैया ने कहा कि 10 फरवरी को मतदान वाले दिन हैंडपंप के निशान पर बटन दबाकर नफरत की राजनीति को समाप्त करना है और विकास की राजनीति को आगे बढ़ाना है। 73 वें गणतंत्र दिवस के के मौके पर जावली गांव में पुस्तकालय वह इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में ध्वजारोहण कर क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी तथा बंथला में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी वह बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी तरफ से श्रद्धांजलि देकर डोर टू डोर चुनाव प्रचार शुरू किया जनसंपर्क करते हुए इंद्रप्रस्थ कॉलोनी बाल्मीकि आश्रम मांडला में दुर्गा मंदिर समिति व्रज विहार कृष्णा विहार मांडला प्रशांत विहार मिलक गांव में हरिजन बस्ती और भी नगर में जनसभाएं स्थानीय लोगों से संपर्क किया जहां बाल्मीकि समाज ने अपना समर्थन दिया और मदन भैया का जोरदार स्वागत किया इंद्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित बाल्मीकि आश्रम पर मदन भैया ने कहां की बाल्मीकि समाज का हमेशा से मुझे सहयोग मिलता रहा है वादा करता हूं कि मैं बाल्मीकि समाज का सिर्फ कभी नहीं झुकने दूंगा उन्होंने कहा कि मंडल में जो जमीन डिग्री कॉलेज के लिए शिक्षा विभाग को स्थानांतरित की गई है आज आज उस जमीन को डंपिंग ग्राउंड बना दिया है नवादा गांव में गंदे पानी की निकासी के लिए जो डीपीआर बनवाया था उसकी फाइल भी गुम हो गई है मदन भैया ने कहा कि गठबंधन की सरकार बनने के बाद रुके हुए सभी कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। जनसंपर्क अभियान में मुख्य रूप से मुरारीलाल अरोरा जी रा में प्रधान जी सतीश बैसला जी निशू कसाना मनवीर चौधरी मास्टर सेंसर पाल जी ऋषि पाल बालियान जी देवेंद्र सिंह राहुल पवार डॉक्टर सोनू पूर्व पार्षद पक्षी पिंकू मिथु साजिद मनोज बाल्मीकि सहीराम विक्रम खारीन आदि क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

भाजपा कार्यालय पर ध्वजारोहण कर धूमधाम से मनाया गया 73वां गणतंत्र दिवस

संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी की महानगर इकाई ने नेहरू नगर स्थित अपने कार्यालय पर ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाया सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह ने ध्वजारोहण के बाद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को 73वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। भारतीय गणतंत्र के गौरव को स्वाभिमान के साथ विश्व में अनोखा स्थान रखने के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी जवानों को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास के साथ सही दिशा में पहला कदम बढ़ाया है । सत्य और समानता के उस पहले कदम को मैं नमन करता हूं ' आज उनके नेतृत्व में देश सबके साथ सबका विकास और सब के विश्वास को लेकर निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है ' महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने भी सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज देश सुरक्षित और विकासशील देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ में है ' आज बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को लागू करने का दिन था ' बाबासाहेब के विचारों और उनके द्वारा बनाए गए संविधान के अनुरूप केंद्र और प्रदेश की सरकार काम कर रही है जिससे आज न केवल प्रदेश में बल्कि देश में नागरिकों का विश्वास मजबूत हुआ है ' इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी अजित पाल त्यागी, प्रत्याशी अतुल गर्ग , बलदेव राज शर्मा, सत्यनारायण गौतम, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, अनिल स्वामी, अशोक मोंगा, धीरज शर्मा, महेंद्र नागर, अमरदत्त शर्मा , प्रदीप चौधरी, अशोक गोयल, हातिम सिंह नागर, देवेंद्र अग्रवाल, पिंटू तोमर, सरदार एसपी सिंह, अश्वनी शर्मा, संदीप चौधरी, कुलदीप त्यागी, गुंजन शर्मा, नीरज गोयल, मीना भंडारी, रनिता सिंह, अनुराधा महापात्रा, पूनम गुप्ता, भक्ति सिंह, रेनू चंदेला, विपिन सैनी, केडी त्यागी, संजीव त्यागी, संजय त्यागी, सच्चिदानंद शर्मा आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे '

निभा फाउंडेशन और मानव अधिकार एसोसिएशन धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

संवाददाता

गाजियाबाद। सामाजिक संस्था निभा फाउंडेशन और मानव अधिकार एसोसिएशन के द्वारा प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संस्था की तरफ से सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना एवं प्रोत्साहित किया गया ' सर्वप्रथम गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर झंडारोहण हुआ और प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर माननीय वीके सक्सेना जी ने सभा को संबोधित किया और सभी की उपस्थिति के लिए धन्यवाद किया गया कोरोना महामारी में लोगों को जागरूक करने और सहयोग करने के लिए जिन्होंने अपने कर्तव्य का पालन किया उनको भी सम्मानित किया गया और इस कार्य के लिए उनका धन्यवाद किया गया सभी लोगों को फूल माला और मोमेंटो देकर स्वागत एवं सम्मान किया गया इसमें मानव अधिकार के सभी सदस्य तथा निभा फाउंडेशन के सभी कार्यकर्ता शामिल हुए , गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर निभा फाउंडेशन के राष्ट्रिय अध्यक्ष निभा श्रीवास्तव जी ने सम्बोधित किया।

सर्वोदय हॉस्पिटल में गणतंत्र दिवस पर झंडारोहण किया गया

संवाददाता

गाजियाबाद। कविनगर स्थित सर्वोदय अस्पताल में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया. हॉस्पिटल के सीएमओ डॉक्टर नीरज गर्ग ने झंडारोहण किया. हॉस्पिटल के डॉक्टर्स व स्टाफ व नर्स की ओर से राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत गाकर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी. हॉस्पिटल के सीएमओ नीरज गर्ग ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा सबसे पहले सभी लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामना दी और कहा कि कोरोना महामारी फैली हुई है, लेकिन गणतंत्र दिवस को लेकर हम सब के उत्साह में कोई कमी नहीं है. कोरोना काल में अपनी सेवा प्रदान करने के लिए हॉस्पिटल के स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया व बलिदानियों को याद करते हुए कहा कि 'बलिदानों का सपना जब सच हुआ, देश तभी आजाद हुआ, आज सलाम करें उन वीरों को, जिनकी शहादत से भारत गणतंत्र हुआ' कार्यक्रम में डॉ-चन्द्रशेखर, डॉ स्वेता पाठक,डॉ वीसी , डॉ इस्लामुदिन, स्टाफ दुर्गा, मीनाक्षी,ससिकान्त भारद्वाज, प्रीति , साइनी, अरुण, मनीष , संतोष अन्य स्टाफ मोजूद रहा।

लोनीवासियों ने एकजुट होकर रंजीता धामा को जिताने का लिया संकल्प

संवाददाता

लोनी। बुधवार को लोनी विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी चेयरमैन रंजीता धामा ने डोर टू डोर जनसंपर्क कर अपने चुनावी अभियान को आगे बढ़ाया । इस दौरान अनेकों स्थानों पर क्षेत्रवासियों ने अपनी लाडली चेयरमैन का जोरदार स्वागत किया । जनसंपर्क के क्रम में रंजीता धामा सर्वप्रथम राम विहार, बृज विहार, आकाश विहार आदि क्षेत्रों में पहुंची और क्षेत्रवासियों से जनसंपर्क किया । इस दौरान स्थानीय निवासियों ने रंजीता धामा का जोरदार स्वागत किया और रंजीता मनोज धामा जिंदाबाद के गगनभेदी नारे लगाए और आगामी चुनाव में उन्हें विजयी बनाने का संकल्प लिया । तत्पश्चात रंजीता धामा ने मांडला ,टीला शाहबाजपुर, निस्तोली गांव, बेहटा हाजीपुर, गुलाब वाटिका,पंचवटी कालोनी, जवाहर नगर आदि समेत दर्जनों स्थानों पर क्षेत्रवासियों से जनसंपर्क किया एवं संविधान रचियता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर व किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। अनेकों स्थानों पर चेयरमैन रंजीता धामा को क्षेत्रवासियों का अपार जनसमर्थन मिला। इस दौरान देश प्रदेश व लोनी वासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए रंजीता धामा ने कहा कि जिस तरह से हमारे भारतवर्ष को वर्षों बाद गुलामी से आजादी मिली थी और आज ही के दिन भारत देश में संविधान लागू हुआ था और जिस तरह से देश को आजाद कराने के सैकड़ों क्रांतिकारियों ने अपनी अहम भूमिका निभाई थी, ठीक उसी तरह से लोनी को दुष्टों और असुरों से मुक्ति दिलाने के लिए आप सबको अपनी भूमिका निभानी पड़ेगी । इन दुष्टों ने लोनी में षड्यंत्रों का जाल बुनकर केवल लोगों को उसमें फंसाने का काम किया है और जिसने इनका विरोध किया, उस पर अपने पद और सत्ता का दुरुपयोग कर झूठे मुकदमें लगाने का कार्य इन्होंने किया । सैकड़ों लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर इन्होने उनके चरित्र पर भी दाग लगाने का कार्य किया है, जिसका परिणाम आप लोगों के आशीर्वाद से इन्हें जल्दी मिलने वाला है। साथ ही रंजीता धामा ने यह भी कहा कि उनके और पूर्व चेयरमैन मनोज धामा के ऊपर अभी तक लोनी के शहरी क्षेत्र की जिम्मेदारी थी,जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ निभाया है और अब अगर आप लोगों के आशीर्वाद से उन्हें लोनी विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला तो वे उसे भी पूरी निष्ठा से निभाने का कार्य करेंगी । इस दौरान रंजीता धामा ने अनेकों स्थानों पर क्षेत्र के बुजुर्ग व प्रबुद्धजनों के हाथों से झंडा फहराने का भी कार्य किया । विभिन्न कार्यक्रमों में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहें ,जिन्होंने तन मन धन से रंजीता धामा को विजयी बनाने का संकल्प लिया ।

प्ले ब्वॉय बनाने का झांसा देकर ठगी

पीड़ित बोला- वो कहते थे, ऐसा करते ही जिंदगी बदल जाएगी, रईसों में होगी गिनती

नोएडा। साइबर अपराधियों ने प्ले ब्वॉय बनाने का झांसा देकर एक युवक से 1.54 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने मामले में सेक्टर-49 कोतवाली में शिकायत दी है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस के मुताबिक, बरौला निवासी युवक ने शिकायत की है कि कुछ दिन पहले साइबर अपराधियों ने फोन पर संपर्क किया था। आरोपियों ने नौकरी और काम दिलवाने की बात कहकर विश्वास में ले लिया। इसी दौरान बातचीत करते हुए कॉलर ने उसे प्ले ब्वॉय बनाने का झांसा दिया। आरोपी ने उसे इसके फायदे बताए और मोटी रकम कमाने का ऑफर दिया। आरोपियों ने कहा कि प्ले ब्वॉय बनते ही उसका जीवन स्तर आधुनिक और रईसों के बीच उठने बैठने वाला हो जाएगा। धीरे-धीरे कर आरोपियों ने उससे 1.54 लाख रुपये विभिन्न मदों में ले लिए। इसके बाद फरार हो गए। मामले में पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर जांच कर रही है। एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि जिम, बॉडी बिल्डिंग के नाम पर कई जगह से इस तरह की शिकायतें मिली हैं। यहां काम करने व सीखने वाले लोगों को निशाना बनाकर ब्लैकमेल व ठगी की जा रही है। सोशल मीडिया पर भी कई तरह के विज्ञापन दिए जाते हैं या फोन पर मैसेज आते हैं। इनसे सावधान रहने की जरूरत है। साइबर ठग लगातार अलग-अलग तरीके से लोगों के खातों में सेंध लगा रहे हैं। एक युवक ने ऑनलाइन शराब का ऑर्डर किया तो खाते से 3.22 लाख रुपये निकल गए। वहीं, एक महिला से 25 लाख की लॉटरी निकलने का झांसा देकर 96 हजार रुपये ठग लिए गए। कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस दोनों मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। एडीसीपी रणविजय सिंह के अनुसार, सेक्टर-76 निवासी अभिषेक ने पुलिस से शिकायत की है कि उन्होंने कुछ दिन पहले किसी साइट से एक नंबर लेकर शराब का ऑर्डर किया। इसके बाद ठगों ने अलग-अलग तरीके से खाते से 3.22 हजार रुपये निकाल लिए। वहीं, सोरखा निवासी रोशनी का आरोप है कि पिछले माह उनके व्हाट्स एप पर मैसेज आया था। इसमें 25 लाख रुपये की लॉटरी जीतने की बात कही गई थी। मैसेज में दिए नंबर पर बात कर रोशनी ने पहचान पत्र दे दिया। इसके बाद रोशनी को लॉटरी सुरक्षित कराने का झांसा देकर अलग-अलग तरीके से 96 हजार रुपये पेटीएम आदि में ट्रांसफर करा लिए गए। इसके बाद से आरोपियों से संपर्क नहीं हो पाया।

उज्जवल भारत मिशन द्वारा धूमधाम से मनाया गया 73वां गणतंत्र दिवस

संवाददाता

गाजियाबाद। आज उज्जवल भारत मिशन द्वारा तिगरी गोल चक्कर स्थित मण्डल कार्यालय पर 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर आजादी के महानायकों को भी याद किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष उमेश शर्मा, मेरठ मण्डल अध्यक्ष व युग इण्डिया के निदेशक भरत सिंह, जिला अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, जिला अध्यक्ष (महिला विंग) ज्योति मिश्रा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संजीव नागपाल, जिला उपाध्यक्ष जे पी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अनुभव मिश्रा, जिला महासचिव रामानन्द सिंह, जिला समाज कल्याण सचिव चंदन गुप्ता, जिला संगठन सचिव मोनिका, महानगर अध्यक्ष राहुल आनन्द, महानगर संगठन सचिव आर पी शुक्ला, महानगर सचिव रितिक अग्रवाल,संजय बंसल, प्रीति मिश्रा, तारादत्त जोशी, चांदनी,मंजू गौतम, रंजना, सिमरन, परवीन कुमार, विपिन सिंह आदि सहित कई और सम्मानित लोग मौजूद रहे।

CMYK

'पार्टीगेट' मामला : ब्रिटिश प्रधानमंत्री जॉनसन का इस्तीफा देने से इनकार, बोले- जांच का स्वागत है

लंदन। कोरोना काल में पार्टियां कर कड़ी पाबंदियों का उल्लंघन करने के मामले को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया है। हालांकि इस बीच उन्होंने इस मामले को लेकर हो रही पुलिस जांच का स्वागत किया है। वहीं विपक्षियों ने उनसे इस्तीफे की मांग की है।

दरअसल, लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने मंत्री संबंधी आचार सहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए पीएम जॉनसन से पूछा था कि क्या वह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे रहे हैं। इस पर जॉनसन ने जवाब दिया- नहीं। स्टार्मर के अलावा विपक्ष के अन्य नेताओं ने भी इस्तीफे की मांग की। इस बीच अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाकर जॉनसन भी पार्टीगेट मामले से ध्यान भटकाने का प्रयास करते हुए दिखाई दिए।

जॉनसन ने कहा कि तथाकथित पार्टीगेट मामले को लेकर पद छोड़ने को लेकर बढ़ते दबाव के बावजूद वह इस्तीफा नहीं देंगे। जॉनसन ने कहा कि वर्ष 2020-21 के दौरान 10 डाउनिंग स्ट्रीट और अन्य सरकारी कार्यालयों में कथित लॉकडाउन के उल्लंघन से जुड़े तमाम मामलों को लेकर स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस की जांच का मैं स्वागत करता हूं।

इधर, कयास लगाए जा रहे थे कि पुलिस जांच से आंतरिक कैबिनेट कार्यालय की जांच रिपोर्ट आने में थोड़ा और समय लग सकता है। परंतु मंत्रियों ने बुधवार को संकेत दिया कि वरिष्ठ नौकरशाह सू ग्रे की अगुवाई में यह जांच रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है और इसे जल्द ही जारी किया जाएगा। लेकिन अब सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि

क्या रिपोर्ट के नतीजों को पूरा प्रकाशित किया जाएगा। इस पर प्रधानमंत्री कार्यालय को फैसला लेना है। इसके पहले प्रधानमंत्री जॉनसन ने मंगलवार को कहा था कि उन्होंने कुछ हफ्ते पहले एक स्वतंत्र जांच के आदेश दिए थे। इसका मकसद यह पता लगाना है कि इन कार्यक्रमों में कोविड संबंधी नियमों का उल्लंघन हुआ था या नहीं। जॉनसन ने कहा कि वह इस मामले में मेट्रोपोलिटन पुलिस की जांच का स्वागत करते हैं, क्योंकि उन्हें उम्मीद है इससे जनता के सामने चीजें स्पष्ट हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि इस मामले को स्पष्ट करने के लिहाज से यह जांच जरूरी और मददगार है। प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने एक बार फिर दोहराया कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री नहीं मानते की उन्होंने कोई कानून तोड़ा है। प्रवक्ता ने कहा कि कोविड लॉकडाउन संबंधी किसी कानून के उल्लंघन पर कानूनी सुनवाई करने की बजाय तय जुर्माना नोटिस देते हैं या जुर्माना लगाया जाता है। यही वजह है कि ग्रे की रिपोर्ट प्रकाशित करने को किसी कानूनी जोखिम के रूप में नहीं देखा जा रहा है। उधर, विपक्षी लेबर एंड स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) ने सरकार से आश्वासन मांगा है कि उन्हें रिपोर्ट का प्रकाशित किए जाने से नोटिस दिया जाए, ताकि वह इसकी पूरी तरह से जांच कर सकें। लेबर पार्टी के सांसद क्रिस ब्रायंट ने कहा कि पूरी रिपोर्ट प्रकाशित की जानी चाहिए। इस बीच जॉनसन के इस्तीफे की मांग विपक्षी खेमे के साथ-साथ कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर भी जोर पकड़ रही है।

असल में ब्रिटेन में इन दिनों कोविड-19 की पाबंदियों के उल्लंघन का मामला तूल पकड़ रहा है। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय के उद्यान में 20 मई 2020 को आयोजित पार्टी और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के 56वें जन्मदिन पर 19 जून 2020 को आयोजित बर्थडे केक पार्टी शामिल है। ये दोनों पार्टियां 10 डाउनिंग स्ट्रीट के परिसर में आयोजित की गई थीं, वह भी तब जब पूरे ब्रिटेन में लॉकडाउन को लेकर कड़ी पाबंदी लागू थी। इस दौरान लोगों पर बाहर के लोगों को घर बुलाने पर पाबंदी थी।

मेक्सिको में एक और पत्रकार पर हमला, इस महीने अब तक 3 जर्नलिस्ट की हो चुकी हत्या

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में एक पत्रकार पर हमला किया गया। इस महीने में अब तक तीन पत्रकारों की हत्या की गई है। जोस इग्नासियो सैंटियागो ने बताया कि वह उस समय बाल-बाल बच गए, जब हथियारों से लैस हमलावरों की ले जा रही एक कार ने दक्षिणी राज्य ओक्साका में एक ग्रामीण क्षेत्र में राजमार्ग पर उनके वाहन को टक्कर मारने की कोशिश की। सैंटियागो ने बताया कि वह भागने में कामयाब रहे क्योंकि उनके साथ दो अंगरक्षक थे, जिन्हें पत्रकारों की सुरक्षा के एक सरकारी कार्यक्रम के तहत तैनात किया गया है।

सैंटियागो का 2017 में एक गिरोह ने अपहरण कर लिया था, जिसके बाद उन्हें अंगरक्षक दिए गए थे। इस साल की शुरुआत से अब तक तीन पत्रकारों की हत्या के विरोध में मंगलवार को पूरे मेक्सिको में प्रेस संगठनों द्वारा किए गए एक दर्जन से अधिक विरोध प्रदर्शनों के एक दिन बाद यह हमला किया गया। सैंटियागो ने बताया कि उनकी गाड़ी चला रहा अंगरक्षक हमलावरों को चकमा देने में कामयाब रहा, लेकिन उनकी कार को वहां से निकलता देख हमलावरों ने गोलियां चला दीं। हालांकि, उन्हें कोई चोट नहीं आई है।

सैंटियागो एक समाचार वेबसाइट के निदेशक हैं। गौरतलब है कि मेक्सिको के सीमावर्ती शहर तिजुआना में 17 जनवरी को फोटो पत्रकार मार्गारीटो मार्टिनेज़ की हत्या कर दी गई थी। वहीं, पत्रकार लुर्डेस माल्डोनाडो लोपेज़ अपनी कार में मृत मिले थे, उनके शरीर पर गोली लगने के निशान थे। इससे पहले, वेराक्रूज़ राज्य में स्थानीय अधिकारियों की आलोचना करने वाले मेक्सिको के पत्रकार जोस लुइस गैंबोआ 10 जनवरी को गंभीर रूप से घायल मिले थे और कुछ दिन बाद उन्होंने दम तोड़ दिया था।

लाहौर उच्च न्यायालय ने रावी रिवरफ्रंट परियोजना को किया रद्द

इस्लामाबाद: लाहौर उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान सरकार की रावी रिवरफ्रंट शहरी विकास परियोजना को 'असंवैधानिक घोषित कर रद्द कर दिया है। एक अन्य समाचार रिपोर्ट के अनुसार, ''कोई भी

योजना अगर मास्टर प्लान के बिना स्थापित की जाती है तो असंवैधानिक है। न्यायमूर्ति शाहिद करीम ने रूडा को परियोजना के लिए प्रांतीय सरकार से प्राप्त ऋण को दो महीने के भीतर वापस करने का निर्देश दिए। न्यायमूर्ति करीम ने कहा कि रूडा कानून के अनुसार मास्टर प्लान तैयार करने में विफल रहा क्योंकि 'सभी योजनाएं एक मास्टर प्लान के तहत हैं। न्यायालय ने कहा कि परियोजना के लिए कृषि भूमि का अधिग्रहण असंवैधानिक और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की

इस्लामाबाद: पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने बुधवार को प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की और सशस्त्र बलों से संबंधित 'पेशेवर मामलों' पर चर्चा की। यह बैठक प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में 'पाकिस्तानी सेना से जुड़े पेशेवर मामलों पर चर्चा की गई।' बयान में इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। जनरल

बाजवा और खान के बीच बैठक से एक दिन पहले 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' नामक संगठन ने पाकिस्तान में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार पर एक रिपोर्ट जारी की थी जिसके अनुसार देश 16 स्थान फिसलकर 140वें स्थान पर आ गया है। संगठन की 2021 की रिपोर्ट में 180 देशों को भ्रष्टाचार के मामले में विभिन्न मानकों पर रैंकिंग दी गई है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब 'जवाबदेही पर प्रधानमंत्री के सलाहकार' शहजाद अकबर ने, भ्रष्टाचार में शामिल विपक्ष के कई नेताओं को कानून के कठघरे में खड़ा करने में विफल रहने पर इस्तीफा दे दिया है। विपक्षी दलों ने अकबर के इस्तीफे और रिपोर्ट को खान की असफलता करार दिया है और उनके इस्तीफे की मांग की है।

राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने भारत को दी शुभकामनाएं, कहा- राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ और गणतंत्र दिवस एक ही हफ्ते में मनाना शानदार उपलब्धि

येरुशलम । इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने भारत के 73वें गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं दी और इस समारोह के साथ-साथ दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ इसी हफ्ते मनाए जाने को ' शानदार मील का पत्थर' बताया। इसी सप्ताह 29 जनवरी को भारत-और इस्राइल के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे हो रहे हैं, जिसका जश्न मनाने के लिए दोनों देश तैयार हैं।

भारत और इस्राइल के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने की 30वीं वर्षगांठ पर इस हफ्ते कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके बाद, साल भर दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय यात्राएं होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच 29 जनवरी 1992 को राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। हालांकि, भारत ने इस्राइल को काफी पहले 17 सितंबर 1950 को ही मान्यता दे दी थी। इस्राइल ने हिंदी में ट्वीट किया, ''भारत का 73वां गणतंत्र दिवस और इस्राइल-भारत संबंधों की 30वीं वर्षगांठ को एक ही हफ्ते में मनाया एक अद्भुत उपलब्धि है! राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और भारत के लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हम आने वाले कई और वर्षों की ऊर्जस्वी मित्रता की अपेक्षा कर रहे हैं।''

इस्राइली प्रधानमंत्री कर सकते हैं भारत दौरा: राजदूत गिलोन

भारत में इस्राइल के राजदूत नाओर गिलोन ने सोमवार को कहा था कि इस्राइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के इस साल भारत की यात्रा करने की संभावना है। क्योंकि दोनों देश आपसी राजनयिक संबंध के 30 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हालांकि, अभी दौरे की तारीख तय नहीं है। इस मौके पर वर्ष भर चलने वाले उत्सव को गति देने के लिए वर्चुअल माध्यम से एक विशेष लोगो जारी किया गया। प्रतीक चिन्ह (लोगो) जारी करने के लिए आयोजित वेबिनार में गिलोन ने कहा कि वह भारत में राजदूत बनकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। गिलोन ने दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच संबंध को असाधारण और नियमों से परे बताया।

गिलोन ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने को लेकर इस्राइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और अन्य अधिकारी इस वर्ष भारत यात्रा पर आ सकते हैं। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से इस्राइली प्रधानमंत्री बेनेट को भारत आने का न्योता दिया था।

भूकंप के तेज झटके से हिला टोंगा, रिक्टर स्केल पर 6.2 रही तीव्रता

हांगकांग। टोंगा में पिछले दिनों आई सुनामी के बाद भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.2 मापी गई है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप का ये झटका पेंगाई के पश्चिम-उत्तर पश्चिम में करीब 219 किमी दूर महसूस किया गया है। जानकारी के मुताबिक इसका केंद्र जमीन से करीब साढ़े चौदह किमी गहराई में स्थित था।

फिलहाल अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। आपको बता दें कि 16 जनवरी को ही प्रशांत क्षेत्र के इस द्वीप पर सुनामी आई थी जिसके बाद ये पूरा क्षेत्र की एक तरह से कट गया था। यहां पर आई सुनामी की वजह ज्वालामुखी में हुआ विस्फोट था। सुनामी ने यहां के समुद्री किनारों पर बने घरों को तबाह कर दिया था। इसकी वजह से यहां पर रहने वाले करीब एक लाख से अधिक घरों की टेलीफोन और इंटरनेट सेवा भी पूरी तरह से बंद हो गई थी।

टोंगा के सबसे करीब स्थित न्यूजीलैंड भी यहां के लोगों की मदद के लिए राहत नहीं भेज पा रहा था। टोंगा के पास प्रशांत महासागर में ज्वालामुखी विस्फोट से जो राख के बादल बने उसकी बदौलत न्यूजीलैंड निगरानी विमान भी वहां नहीं भेज पाया था। न्यूजीलैंड का कहना था कि वो जल्द ही यहां पर आपूर्ति विमान एवं नौसेना के पोत भेजेगा।टोंगा के आस्ट्रेलिया में मिशन के उप प्रमुख कर्टिस तुइ हालगिंगी ने रायटर्स को बताया था कि यहां पर आई सुनामी की वजह से लोग घबराकर भागने लग गए, जिससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और काफी लोग घायल हो गए।

मची खलबली: उत्तर कोरिया ने जापान के समुद्र में किया मिसाइल परीक्षण

टोक्यो। उत्तर कोरिया के एक बार फिर जापान सागर में मिसाइल परीक्षण किया है। यह परीक्षण गुरुवार की सुबह किया गया है। वहीं उत्तर कोरिया द्वारा इस साल किया गया यह छठा मिसाइल परीक्षण है। इससे पहले उत्तर कोरिया ने इस साल का सबसे पहला परीक्षण छह जनवरी को किया था और इसके बाद 11 जनवरी को भी एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था वहीं 17 जनवरी को आखिरी बार बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया गया था।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में भी गुहार लगाई थी, लेकिन चीन और रूस ने उसके प्रयासों को रोक दिया था। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दक्षिण कोरिया और अमेरिका के खुफिया अधिकारी इन प्रक्षेपणों का विश्लेषण कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने विस्तार से जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

उत्तर कोरिया ने छह दिन पहले भी मिसाइल परीक्षण किया था, पांच जनवरी को जब इसने मिसाइल परीक्षण किया था तो इसे हाइपरसोनिक मिसाइल परीक्षण बताया था लेकिन दक्षिण कोरिया ने इस बात को मानने से इंकार कर दिया था। लेकिन अब दक्षिण कोरियाई सेना ने पुष्टि कर दी है कि उत्तर कोरिया हाइपरसोनिक मिसाइल दागने में सक्षम हो गया है।

अमेरिका ने लगाए थे प्रतिबंध

अमेरिका ने पिछले हफ्ते मिसाइल प्रक्षेपण पर एकतरफा प्रतिबंध लगाए थे। इसके तहत छह उत्तर कोरियाई, एक रूसी और एक रूसी फर्म को रूस और चीन से परीक्षण कार्यक्रमों के लिए सामान खरीदने का आरोप लगाते हुए ब्लैकलिस्ट कर दिया था। उत्तरी कोरिया इस तरह के मिसाइल परीक्षण करके अमेरिका को खुली चुनौती दे रहा है। दरअसल, अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने का प्रयास कर रहा है, साथ ही परमाणु कार्यक्रम बंद करने का भी दबाव बनाया जा रहा है। अब उत्तर कोरिया ने इस तरह के परीक्षण से साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों से दबने वाला नहीं है।

यूएन महासचिव बोले- 'अंतिम सांसों' पर अफगानिस्तान, मानवीय संकट पर दी गंभीर चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र: संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अफगानिस्तान के लोगों के लिए मानवीय सहायता को बढ़ावा देने और देश की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने के लिए प्रतिबंधित नौ अरब डॉलर की सम्पत्ति पर से रोक हटाने का आग्रह किया। गुतारेस ने सुरक्षा परिषद से कहा, '' अपना कर्तव्य पूरा करने का समय आ गया है। कोई कदम नहीं उठाया गया तो कई लोगों की जिंदगी खतरे में आ जाएगी और निराशा तथा अतिवाद बढ़ेगा।' गुतारेस ने कहा कि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में तत्काल निवेश किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि देश की रोकी गई राशि को जारी किया जाए, उसके सेंट्रल बैंक के साथ फिर से जुड़ना और निवेश करने के अन्य तरीके खोजना, जिसमें चिकित्सकों, शिक्षकों, सफाई कर्मचारियों, बिजली का काम करने वालों और अन्य सिविल सेवकों के वेतन का भुगतान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कोष जारी करना शामिल है। चीन और रूस ने अफगानिस्तान की प्रतिबंधित सम्पत्ति पर से रोक हटाने की अपनी मांग दोहराई, जबकि अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने

कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन '' कोष की कमी से निपटने के लिए विभिन्न विकल्पों'' पर गौर कर रहा है।

कोरोना वायरस: कनाडा में मिले ऑमिक्रॉन बीए.2 के 51 नए मामले

ओटावा। कोरोना का नया वैरिएंट ऑमिक्रॉन दुनिया के कई हिस्सों में चरम पर है। यह वैरिएंट कुछ देशों में तेजी से फैल रहा है। इस कड़ी में कनाडा के स्थानीय मीडिया ने जानकारी दी कि यहां ऑमिक्रॉन के सबवैरिएंट (उपवंश) बीए.2 के 51 नए मामले पाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सबवैरिएंट अंतरराष्ट्रीय यात्रियों से यहां पहुंचा है। BA.2 ओमिक्रॉन का अत्यधिक तेजी से फैलने वाला उपवंश है। तक बीए.2 40 देशों में पाया गया है। इसका पहली बार नवंबर में पता चला था। कनाडा की पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (पीएचएसी) के मुताबिक वैज्ञानिक बीए.2 सबवैरिएंट (उपवंश) पर कड़ी नजर रख रहे हैं। आगे बताया कि कनाडा सरकार टीकाकरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत उपायों को लेकर भी ध्यान दे रही है ताकि कोरोना के

नए वैरिएंट का प्रसार कम किया जा सके।

कनाडा ने कोरोना वायरस के 10,410 नए मामले दर्ज किए, अब तक देश में कुल 33,134 मौतें हो चुकी है और कुल 2,971,462 मामले सामने आ चुके हैं।ओमिक्रॉन के चार उपवंश मिले कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन (बी.1.1.529) के तीन उपवंश BA 1, BA.2 और BA.3 के बारे में पता चला है। BA.1 और क्र3 के स्पाइक प्रोटीन में विलोपन देखने को मिला है हालांकि BA.2 में इस तरह के मामले नहीं है। ओमिक्रॉन का यह वैरिएंट मूल कोरोना संक्रमण की तुलना में ज्यादा तेजी से फैलता है साथ ही इसके कुछ खास लक्षण नहीं होते इसलिए इसका पता लगाना काफी कठिन हो जाता है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि यह और अधिक संक्रामक भी हो सकता है। कुछ जगहों पर बीए.2 का तेजी से प्रसार चिंता पैदा करता है कि यह आगे और बढ़ेगा। इससे पहले भारत में भी ओमिक्रॉन के उपवंश BA.1 के मामले सामने आ चुके हैं। इसे लेकर भारतीय वैज्ञानिकों ने आगाह भी किया है।

मरान खान की पार्टी के हिंदू सांसद ने भारत से तीर्थयात्रियों के प्रतिनिधिमंडल को वीजा जारी करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की सत्ताधारी तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के एक प्रमुख हिंदू सांसद ने भारत से तीर्थयात्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल को वीजा जारी करने का अनुरोध किया ताकि वह दोनों पड़ोसी देशों के बीच उनकी धार्मिक पर्यटन पहल के तहत देश की यात्रा कर सकें।

पाकिस्तान हिंदू परिषद के संरक्षक और नेशनल असेंबली के सदस्य डॉ. रमेश कुमार वांकवानी ने सोमवार को कहा कि वह 29 जनवरी को पाकिस्तान एयरलाइंस इंटरनेशनल (पीआईए) की एक विशेष चार्टर्ड उड़ान से भारत आने वाले पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि 170 तीर्थयात्रियों का एक समूह जो पाकिस्तान

इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की एक विशेष उड़ान से भारत जाने के लिए तैयार है, नई दिल्ली की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा, ÷मुझे उम्मीद है कि गुरुवार तक भारत से मंजूरी मिल जाएगी। मैंने आज भारतीय विदेश मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। मैंने भारत से आग्रह किया है कि गुरुवार को एक दिन में 170 लोगों को तीर्थयात्रा वीजा जारी किया जाए या उन्हें आगमन पर वीजा दिया जाए। हालांकि भारत की ओर से इस प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

वंकवानी ने कहा कि 29 जनवरी की यात्रा के कार्यक्रम में कोई गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए क्योंकि चार्टर्ड पीआईए विमानों समेत सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। उन्होंने आग्रह किया योजना में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि तीर्थयात्री अजमेर शरीफ, जयपुर, आगरा, नई दिल्ली और हरिद्वार जाएंगे और फिर एक फरवरी को पीआईए की उड़ान से वापस पाकिस्तान आएंगे। उन्होंने कहा कि भारत से 170 श्रद्धालुओं का एक प्रतिनिधिमंडल 20 फरवरी को पाकिस्तान की यात्रा करेगा, उसके बाद एक मार्च को भारत से एक और प्रतिनिधिमंडल आएगा।

वंकवानी ने कहा, ÷पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों को भारत में सभी धार्मिक स्थलों पर पीआईए की फ्लाइट से ही ले जाया जाएगा। वहीं भारतीय तीर्थयात्री एयर इंडिया की फ्लाइट से पाकिस्तान जाएंगे।÷ उन्होंने कहा कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट 20 फरवरी को दिल्ली से पेशावर जाएगी। इसमें जाने वाले तीर्थयात्री श्री परमहंस जी महाराज की समाधि और खैबर पख्तूनख्वा के कड़क इलाके में टेरी मंदिर जाएंगे।

युद्ध की तैयारी के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष विराम पर सहमत, पेरिस वार्ता के अच्छे संकेत

मास्को। रूस और यूक्रेन में जंग की तैयारियों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा पुतिन व उनकी प्रेमिका पर व्यक्तिगत पाबंदियां लगाने की चेतावनी के बीच पेरिस से अच्छी खबर मिली है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई मास्को व कीव के दूतों के बीच वार्ता में दोनों देश संघर्ष विराम के प्रति वचनबद्ध नजर आए। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि अमेरिका व उसके सहयोगी नाटो देश व रूस के बीच इससे तनाव कितना घट सकेगा। रूस व यूक्रेन दोनों फिलहाल संघर्ष विराम जारी रखने पर सहमत होने के साथ ही अगले माह फिर वार्ता करने पर भी रजामंद हुए हैं। बैठक के बाद फ्रांस के दूत ने कहा कि आठ घंटे चली बातचीत के अच्छे संकेत मिले हैं। रूस और यूक्रेन के बीच इस बातचीत में फ्रांस व जर्मनी ने मध्यस्थता की। रूस द्वारा यूक्रेन की सीमा के पास अपनी सेना के भारी जमावड़े से लगने लगा था कि वह अपने नाटो समर्थक पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला कर सकता है। उधर नाटो व अमेरिका ने भी रूस के खिलाफ अपनी मोर्चाबंदी तेज कर दी है।

बाइडन की धमकी से रूस नरम पड़ा?

अमेरिका ने तो जेवलिन मिसाइलें यूक्रेन भेज दी हैं। वहीं राष्ट्रपति बाइडन ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन व उनकी प्रेमिका पर व्यक्तिगत पाबंदी लगाने की धमकी दे दी है।

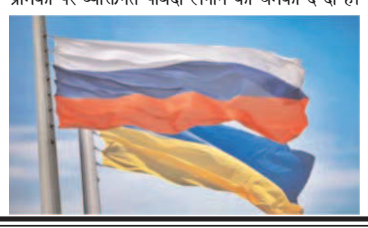

ऐसे में माना जा सकता है कि रूस थोड़ा नरम पड़ा है। पेरिस वार्ता के बाद जारी साझा बयान में कहा गया है कि रूस व यूक्रेन बिना शर्त संघर्ष विराम पर सहमत हुए हैं। दो हफ्ते बाद जर्मनी के बर्लिन में इसी मुद्दे पर आगे बैठक होगी। फ्रांस ने संघर्ष विराम के फैसले का स्वागत किया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के एक सहयोगी ने कहा कि लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच सुकूनदायक खबर मिली है।

दो हफ्ते में नतीजा दिखाई देगा

वार्ता में शामिल रूस के दूत दिमित्री कोजाक ने कहा कि तमाम मुद्दों पर असहमति के बाद भी हम पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष विराम पर सहमत हुए हैं। दो हफ्ते बाद बर्लिन बैठक में पेरिस की तरह ही दोनों देशों के दूत फिर बात करेंगे। कोजाक ने कहा- हमें उम्मीद है कि यूक्रेन ने हमारी बात को समझ लिया है। अगले दो हफ्ते में इसका नतीजा दिखाई देगा। जर्मन सरकार के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि वार्ता का अगला दौर बर्लिन में होगा। संभवतः फरवरी के दूसरे सप्ताह में यह वार्ता होगी। अच्छी बात यह है कि 2019 के बाद पहली बार रूस व यूक्रेन साझा बयान पर जारी हुए हैं। हालांकि अब देखना होगा कि संघर्ष विराम पर दोनों देश अडिग रहते हैं या नहीं?

CMYK

सुविचार शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है। - सरदार पटेल

संपादकीय

आरक्षण और योग्यता

नीट पीजी परीक्षा में आरक्षण को दो सप्ताह पूर्व झंडी दे चुके सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले की तार्किक व्याख्या व्यापक संदर्भों में की है। दरअसल, इस फैसले में देरी की वजह से जूनियर डाक्टरों ने दिल्ली में व्यापक आंदोलन किया था। उसके बाद सात जनवरी को एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी में 27 फीसदी ओबीसी और दस फीसदी ईडब्ल्यूएस कोटे को मंजूरी दे दी थी। लेकिन कोर्ट ने तब अपने फैसले की तार्किक व्याख्या नहीं की थी। अब कोर्ट ने आरक्षण की सामाजिक न्याय की अवधारणा समेत तमाम सवालों के जवाब देने का प्रयास किया। सबसे महत्वपूर्ण यह कि योग्यता को प्रतियोगी परीक्षा के नतीजे की संकीर्ण परिभाषा तक सीमित नहीं रखा जा सकता क्योंकि इन परीक्षाओं से अवसर की औपचारिक समानता ही हासिल होती है। कोर्ट ने कहा कि आरक्षण और योग्यता में कोई अंतर्विरोध नहीं है बल्कि आरक्षण सामाजिक न्याय की अवधारणा को पुष्ट करके योग्यता का संवर्धन ही करता है। दरअसल, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पीठ का मानना था कि स्नातक हो जाने से किसी व्यक्ति की सामाजिक व आर्थिक स्थिति नहीं बदल जाती। उनकी कमजोर पृष्ठभूमि के मद्देनजर आरक्षण देने की जरूरत महसूस होती है। साथ ही यह भी तर्क दिया कि जब अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में आरक्षण लागू है तो नीट में भी दिया जाना चाहिए। दरअसल, अदालत का मानना था कि योग्यता व आरक्षण परस्पर विरोधी नहीं हैं। महज प्रतियोगी परीक्षा के ही अंकों को योग्यता का मापदंड नहीं माना जा सकता। उसे सामाजिक रूप से भी प्रासंगिक बनाने की जरूरत है। अदालत ने संविधान निर्माताओं की आरक्षण अवधारणा को पुष्ट करते हुए कहा कि देश में पिछड़ापन दूर करने के लिये आरक्षण देना प्रासंगिक है। अपवाद को स्वीकार करते हुए अदालत का मानना था कि संभव है कि कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं जो पिछड़े न होते हुए भी आरक्षण का लाभ उठा रहे हों, लेकिन व्यापक अर्थों में आरक्षण की तार्किकता को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल, कोर्ट की यह व्याख्या इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि ओबीसी आरक्षण व आर्थिक आधार पर आरक्षण का मामला अदालत में विचाराधीन होने के बावजूद केंद्रीय परीक्षाओं में इसे लागू करने के लिये अब अदालत की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। दरअसल, अदालत में आरक्षण से जुड़े कई मामलों में याचिका दायर की गई थी। इसमें ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ आठ लाख से कम सालाना आय वालों को दिये जाने के आधार पर सवाल खड़े किये गये थे। दलील दी गई थी कि इतनी आय वाला परिवार आर्थिक रूप से पिछड़ा नहीं हो सकता। इस बाबत केंद्र ने कोर्ट को बताया था कि यह मानक तार्किक है। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार ने नीट पीजी की काउंसलिंग से पहले आरक्षण लागू कर दिया था, ऐसे में यह नियम विरुद्ध नहीं कहा जा सकता। साथ की पीठ ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में अदालत को पुन- समीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि नीट पीजी में ओबीसी और ईडब्ल्यूएस आरक्षण संवैधानिक रूप से मान्य है। इसी क्रम में कोर्ट ने योग्यता व आरक्षण के मुद्दे पर व्यापक दृष्टि को परिभाषित भी किया। कोर्ट का मानना था कि कोई परीक्षा व्यक्ति की वर्तमान सक्षमता को ही दर्शाती है, उसकी क्षमताओं, उत्कृष्टता व सामर्थ्य को पूरी तरह परिभाषित नहीं करती। इसको समृद्ध करने में अनुभव, बाद का प्रशिक्षण और व्यक्तिगत चरित्र की भी भूमिका होती है। इसके साथ ही मानवीय मूल्यों को जोड़कर अदालत ने टिप्पणी की कि उच्च अंक हासिल करने वाला उम्मीदवार यदि अपनी प्रतिभा का उपयोग अच्छे कार्य करने के लिये नहीं करता तो उसे मेधावी नहीं कहा जा सकता। वैसे योग्यता एक सामाजिक अच्छाई है और इसका संरक्षण जरूरी है।

आज के कार्टून

ईश्वर विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चोट खाया हुआ सांप आक्रमणकारी पर ऐसी फूंफकार मारकर दौड़ता है कि उसके होश छूट जाते हैं। सांसारिक व्यथाओं से विक्षुब्ध मनुष्य की भी ऐसी ही स्थिति होती है। जब मनुष्य को पीड़ाएं चारों ओर से घेर लेती हैं, कोई सहारा नहीं सूझता तो वह निष्ठापूर्वक अपने परमेर को पुकारता है। हार खाए हुए मनुष्य की कातर पुकार से परमात्मा का आसन हिल जाता है। उन्हें सारी व्यवस्था छोड़कर भक्त की सेवा के लिए भागना पड़ता है। ऐसा समय आता है जब मनुष्य संसार को भूलकर कुछ क्षण के लिए ऐसे दिव्य लोक में पहुंचता है, जहां उसे असीम सहानुभूति और शात शांति मिलती है। अंत:करण की समस्त वासनाएं विलीन हो जाती हैं, इंद्रियों की चेष्टाएं शांत हो जाती हैं। हिरण्यकश्यप की हठधर्मिता से दुःखी बालक प्रह्लाद ने उसे बार-बार पुकारा, उसका नारायण बार-बार उसकी मदद के लिए दौड़ा। मनुष्य बुलाए और वह न आए ऐसा कभी हुआ नहीं। द्रौपदी जान गई थी कि सभा में उसे बचाने वाला कोई नहीं है। दु:शासन चीर खींचता है। लाज न चली जाए, इस भय से निर्बल नारी दीनानाथ को पुकारती है। भगवान श्रीकृष्ण आते हैं और उसका चीर को बढ़ाते हुए चले जाते हैं। देवासुर संग्राम की कथाओं में ऐसे अनेक वर्णन हैं। बहुत से लोग हैं, जो ईश्वर और उसके अस्तित्व को मानने से इनकार करते हैं, पर यदि भली भांति देखा जाए तो मूढ़ताग्रस्त व्यक्ति ही ऐसा कर सकते हैं। एक बहुत बड़ा आश्चर्य हमारे सामने बिखरा पड़ा है। उसे देखकर भी जिसका विवेक जाग्रत न हो, कौतूहल पैदा न हो, उसे और कहा भी क्या जाएगा? पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कर रही है, यह दृश्य आप किसी अन्य ग्रह में बैठे देख रहे होते, तो समझते मनुष्य का अभिमान कितना छोटा है। विशाल ब्रह्माण्ड की तुलना में वह चींटी से भी हजार गुना छोटा लगेगा। अनंत आकाश और उस पर निरंतर होती रहती ग्रह-नक्षत्रों की हलचल, सूर्य, चन्द्रमा, सागर, पर्वत, नदियां, वृक्ष, वनस्पति, मनुष्य आदि के स्वयं के बदलते हुए क्षण क्या यह सब मनुष्य का विवेक जाग्रत करने के लिए काफी नहीं है? परमात्मा का अस्तित्व मानने के लिए क्या इतने से संतोष नहीं होता? विचारवान व्यक्ति कभी ऐसा नहीं सोचेगा। आदिकाल से लेकर अब तक जितने भी संत, महापुरुष हुए हैं और जिन्होंने भी आत्म कल्याण या लोक कल्याण की दिशा में कदम उठाया है, उन सबने परमात्मा-ईश्वर का आश्रय मुख्य रूप से लिया है।

गुणवत्ता की मुफ्त शिक्षा का वादा करें दल

भरत झुनझुनवाला

चुनाव के इस माहौल में मुफ्त बांटने के वादे करने की होड़ मची हुई है। कोई साड़ी बांटता है, कोई साइकिल, कोई लैपटॉप और कोई मुफ्त में बस यात्रा। यहां तक कि कहीं तो शराब भी मुफ्त बांटने की बात की जा रही है। कुछ मतदाता मानते हैं कि कम से कम जनता को 5 साल में एक बार ही सही, कुछ तो हासिल हो। सरकार ने नोटबंदी और जीएसटी जैसी नीतियां लागू कर जनता के रोजगार और धंधे को पस्त कर दिया है इसलिए मुफ्त में जो मिले कुछ लोग उसका स्वागत करते हैं। लेकिन विचारणीय यह है कि मुफ्त क्या बांटा जाए? ऐसे में यदि सच्ची अंग्रेजी शिक्षा को ही मुफ्त बांट दीजिए तो जनता भी सुखी हो जाएगी और पार्टी को संभवत- जीत भी हासिल हो जाए? कहावत है कि किसी व्यक्ति को मछली देने के स्थान पर मछली पकड़ना सिखाना ज्यादा उत्तम है क्योंकि यदि मछली पकड़ना सीख लेगा तो वह आजीवन अपनी आय अर्जित कर सकता है। इसी प्रकार यदि हम युवाओं को मुफ्त साइकिल और लैपटॉप वितरित करने के स्थान पर यदि मुफ्त अंग्रेजी शिक्षा दें तो वे साइकिल और लैपटॉप स्वयं खरीद लेंगे और आजीवन अपनी जीविका भी चला सकेंगे। जनता में अंग्रेजी शिक्षा की गहरी मांग है। शहरों में घरों में काम करने वाली सहायिकाओं द्वारा भी अपने बच्चों को 1,500 से 2,000 रुपए प्रतिमाह की फीस देकर अच्छी अंग्रेजी के लिए प्राइवेट स्कूल में भेजने का प्रयास किया जाता है। वे अपनी आय का लगभग तिहाई हिस्सा बच्चों की फीस देने में व्यय कर देती हैं। इससे प्रमाणित होता है कि शिक्षा की मांग है लेकिन अच्छी शिक्षा खरीदने की उनकी क्षमता नहीं है। दिल्ली की आप सरकार ने सरकारी शिक्षा में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं लेकिन इसके बावजूद सरकारी विद्यालयों के हाई स्कूल में 72 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जबकि प्राइवेट स्कूलों में 93 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। दूसरे राज्यों में सरकारी विद्यालयों की स्थिति बहुत अधिक दुरूह है जबकि इन पर सरकार द्वारा भारी खर्च किया जा रहा है। वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में प्रति छात्र 25,000 रुपये प्रतिवर्ष खर्च किए जा रहे थे। वर्तमान वर्ष 2021-22 में यह रकम लगभग 30,000 रुपये हो गई होगी। इसमें भी सरकारी विद्यालयों में तमाम दाखिले फर्जी किए जा रहे हैं। बिहार के एक अध्ययन में 9 जिलों में 4.3 लाख फर्जी विद्यार्थी सरकारी विद्यालयों में पाए गए। इन फर्जी दाखिलों को दिखाकर स्कूल के कर्मचारी मध्यान्ह भोजन और यूनिफॉर्म इत्यादि की रकम को हड़प जाते हैं। किसी अन्य आकलन के अभाव में हम मान सकते हैं कि 20 प्रतिशत विद्यार्थी फर्जी दाखिले के माध्यम से दिखाए जाते होंगे। इन्हें काट दें तो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रति सच्चे विद्यार्थी पर 37,000 रुपये प्रति वर्ष खर्च किया जा रहा है। नेशनल सैंपल सर्वे के अनुसार, लगभग 60 प्रतिशत बच्चे वर्तमान में सरकारी विद्यालयों में जा रहे हैं। अत: यदि इस 37,000 रुपये प्रति सच्चे छात्र की रकम को प्रदेश के सभी छात्रों यानी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूल दोनों में पढ़ने वाले छात्रों में वितरित किया जाए तो प्रत्येक छात्र पर उत्तर प्रदेश सरकार लगभग 20,000 रुपये प्रति वर्ष खर्च रही है। चुनाव के समय पार्टियां वादा कर सकती हैं कि इस 20,000 रुपये की रकम में से 12,000 रुपये प्रदेश के सभी छात्रों को मुफ्त वाउचर के रूप में दे दिये जाएंगे। इस वाउचर के माध्यम से वे अपने मनचाहे विद्यालय में फीस अदा कर सकेंगे। यह 12,000 रुपये प्रति वर्ष प्रति छात्र सरकारी शिक्षकों के वेतन में से सीधे कटौती करके किया जा सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सरकारी अध्यापकों का वेतन वास्तव में कम हो जाएगा। वे अपने विद्यालय को आकर्षक बना कर पर्याप्त संख्या में छात्रों को आकर्षित करेंगे तो वे अपने वेतन में हुई इस कटौती की भरपाई वाउचर से मिली रकम से कर सकते हैं। जैसे वर्तमान में तमाम विश्वविद्यालयों में सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्स चलाए जा रहे हैं। इन कोर्सों में छात्र द्वारा भारी फीस दी जाती है, जिससे पढ़ाने वाले अध्यापकों के वेतन का पेमेंट किया जाता है। इसी तर्ज पर सरकारी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक, छात्रों को आकर्षित कर उनके वाउचर हासिल कर अपने वेतन की भरपाई कर सकते हैं। ऐसा करने से सरकारी तथा निजी दोनों प्रकार के विद्यालयों को लाभ होगा। सरकारी विद्यालयों के लिए अनिवार्य हो जाएगा कि वे अपनी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएं, जिससे कि वे पर्याप्त संख्या में छात्रों को आकर्षित कर सकें, उनके वाउचर हासिल कर सकें और अपने वेतन में हुई कटौती की भरपाई कर सकें। प्राइवेट

विद्यालयों के लिए भी यह लाभप्रद हो जाएगा क्योंकि उनमें दाखिला लेने वाले छात्र 1,000 रुपये प्रति माह की फीस इन वाउचरों के माध्यम से कर सकते हैं और शेष फीस वह अपनी आय से दे सकते हैं। जो सहायिका अपने 6,000 रुपये के मासिक वेतन में से वर्तमान में 1,500 रुपये अंग्रेजी स्कूल में बच्चे की फीस अदा करने के लिए कर रही है उसे अपनी कमाई में से केवल 500 रुपये ही देने होंगे। जिस प्राइवेट विद्यालय द्वारा आज 600 रुपये प्रति माह फीस के रूप में लिए जा रहे हैं उसे वाउचर के माध्यम से 1,000 रुपये मिल जायेंगे और कुल 1,600 रुपये की रकम से वे अच्छे अध्यापक की नियुक्ति कर सकेंगे। प्राइवेट विद्यालयों की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। वर्तमान समय में रोबोट और बड़ी कंपनियों द्वारा सस्ते माल का उत्पादन किए जाने से आम आदमी के रोजगार का भारी हनन हो रहा है। इसके सतत जारी रहने का अनुमान है। इसलिए आम आदमी की जीविका को आगे आने वाले समय में बनाए रखने के लिए जरूरी है कि वह अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करें, जिससे इंटरनेट आदि के माध्यम से वे सॉफ्टवेयर, संगीत, अनुवाद इत्यादि सेवाओं की बिक्री कर सकें और अपनी जीविका चला सकें। वर्तमान चुनाव के माहौल में पार्टियों को चाहिए कि साड़ी, साइकिल और लैपटॉप बांटने के वादों के स्थान पर सच्ची शिक्षा को मुफ्त बांटने पर विचार करें, जिससे उन्हें चुनाव में जीत हासिल हो और सरकार पर आर्थिक बोझ भी न पड़े। वहीं जनता को आने वाले समय में और रोजगार भी उपलब्ध हो जाए।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

अदालत की मंशा स्थाई व्यवस्था बने

अनूप भटनागर

राजीव गांधी सरकार के कार्यकाल में वर्ष 1985 में देश में पहली बार बनाया गया दल बदल कानून विवादों के निपटारे में अत्यधिक विलंब की वजह से अपनी प्रासंगिकता खो रहा है। दसवीं अनुसूची के तहत बने इस कानून के अभी तक के अनुभव और दल बदल के खिलाफ याचिकाओं के निपटारे के मामले में अध्यक्षों की भूमिका के परिप्रेक्ष्य में अब इसमें व्यापक संशोधन करने और ऐसे विवादों को सुलझाने के लिए एक स्थाई न्यायाधिकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही है। सदन का अध्यक्ष भी चूंकि राजनीतिक दल का ही सदस्य होता है, इसलिए दल बदल संबंधी विवादों के निष्पादन में निष्पक्षता की कमी महसूस होती है। इस बाबत शीर्ष अदालत ने दो साल पहले सुझाव दिया था कि संसद को दसवीं अनुसूची के तहत ऐसे विवादों के निपटारे की जिम्मेदारी अर्द्ध न्यायाधिकरण के रूप में अध्यक्षों को सौंपने के प्रावधान पर नये सिरे से विचार करना चाहिए। इसकी एक प्रमुख वजह दल बदल करने वाले सांसदों और विधायकों को संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत बने कानून के तहत अयोग्य घोषित करने की याचिकाओं के निपटारे के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं होने की वजह से अध्यक्ष द्वारा ऐसे मामलों में फैसला करने में अत्यधिक विलंब भी है। इस संबंध में तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मणिपुर सहित अनेक विधान सभा अध्यक्षों के समक्ष लंबित ऐसे मामलों का उदाहरण दिया जा सकता है। राज्यों की विधान सभाओं में दल बदल करने वाले सदस्यों को अयोग्य घोषित करने के लिए मूल राजनीतिक दल की याचिकाओं पर निपटारे में अत्यधिक विलंब की वजह से कई बार ये मामले सर्वोच्च अदालत तक पहुंचे। शीर्ष अदालत ने पिछले साल जुलाई में ही एक मामले में दल बदल कानून के तहत लंबित याचिकाओं के निपटारे के लिए समय सीमा और दिशा-निर्देश प्रतिपादित करने से इंकार कर दिया था। न्यायालय का स्पष्ट मत था कि यह काम संसद का है और उसे ही इस पर विचार करना होगा। यही नहीं, कर्नाटक विधान सभा में हुए दल बदल से संबंधित मामले में 2019 में शीर्ष अदालत ने बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा था कि सदन का अध्यक्ष अगर तटस्थ रहने का संवैधानिक दायित्व नहीं निभा सकता है तो वह इस पद के योग्य नहीं है। संसद और विधानमंडल में निर्वाचित सदस्यों की आया राम-गया राम की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए 1985 में संविधान में संशोधन कर दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में हालांकि, कुछ संशोधन भी किए गए लेकिन इसके बाद भी सदन में पाला बदलने वाले सांसदों और विधायकों के बारे निर्णय का अधिकार पूरी तरह से अध्यक्ष के पास ही था। ऐसे मामलों के निपटारे में हो रहे विलंब का ही नतीजा था कि 21 जनवरी, 2020 को सर्वोच्च अदालत ने सुझाव दिया कि संसद को दल बदल कानून के तहत सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित विवाद सुलझाने के लिए संविधान में संशोधन करके एक स्थाई न्यायाधिकरण की स्थापना करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। न्यायालय का विचार था कि संसद को दल बदल करने वाले सदस्य के मामले में फैसला करने का अधिकार एक अर्द्ध-न्यायाधिकरण के रूप में अध्यक्ष को सौंपने संबंधी व्यवस्था पर पुनर्विचार करना चाहिए। दरअसल, ऐसे विवाद का निपटारा करते समय भी अध्यक्ष एक राजनीतिक दल विशेष का ही सदस्य होता है। इसकी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए न्यायाधिकरण का अध्यक्ष शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश को बनाने का प्रावधान किया जा सकता है। दरअसल, आज जहां दल बदल करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों के मामले में फैसला होने में अत्यधिक समय लग रहा है तो दूसरी ओर दल बदल कानून की मार से बचने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि सदन के कार्यकाल के अंतिम साल में चुनाव नजदीक आने पर पाला

बदलने का रास्ता अपना रहे हैं। चुनावी साल में निर्वाचित प्रतिनिधियों के अपने राजनीतिक दल से इस्तीफा देकर दूसरे दल में शामिल होने की इस बीमारी से हालिया दिनों में सभी दल पीड़ित हैं। अक्सर ऐसी गतिविधियां भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती हैं। सरकार अगर वास्तव में दल बदल जैसी समस्या पर अंकुश पाना चाहती है तो उसे कानून में यह प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए कि चुनावी साल में सदन और मूल राजनीतिक दल से इस्तीफा देने वाला व्यक्ति कम से कम एक साल तक किसी अन्य राजनीतिक दल का प्रत्याशी बनने के अयोग्य होगा। यह सर्वविदित है कि न्यायिक हस्तक्षेप से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया की स्वच्छता, पारदर्शिता और पवित्रता बनाये रखने और इससे संदिग्ध छवि वाले व्यक्तियों को बाहर रखने में काफी सफलता मिली है। उम्मीद है कि सरकार सर्वोच्च अदालत के सुझावों पर और समय गंवाए बगैर ही उचित कदम उठायेगी।

सू-दोकू नवताल -2031

		2		3		1		6
1				4		5	7	2
		4		6			3	9
		9	8			2		4
	5			2			1	
6		8			1	9		
8	4			9		3		
3	6	1		8				5
2		5		1		6		

सू-दोकू -2030 का हल

9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. फिल्म 'प्यारेमोहन' में 'मोहन' की भूमिका किस अभिनेता ने की थी-3
3. अक्षय कुमार, की 'लबों को लबों पे सजाओ' गीत वाली फिल्म-2,3
6. सनी देओल, सलमान खान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-2
7. फिल्म 'पार्टनर' में 'नैना' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की है-2
8. सनी देओल, नीलम की 1991 की एक फिल्म-3
10. आफताब शिवदासानी की 'दिल ने ये ना जाना' गीत वाली फिल्म-2
12. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
14. सनी, जीतेंद्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-4
16. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक बच्चन की फिल्म-2
19. गोविंदा, नीलम की फिल्म-2
20. सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-3
22. अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा कपूर, सोनाली की फिल्म-3
24. फिल्म 'नामुमकिन' में राज बब्बर के साथ नायिका कौन-3
25. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-2
26. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीत वाली दिलीप कुमार, निम्मी की फिल्म-2
27. 'नशा है आज देख ले' गीत वाली फिल्म-2
28. 'तूने मुझे बुलाया शेरां वालिये' गीत वाली जीतेंद्र, रीना राय की फिल्म-2
29. तुषार कपूरे की 'काश होले होले तू मेरा हो ले' गीत वाली फिल्म-1
32. संजीव कुमार,निवेदिता की फिल्म-2
33. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'दाल रोटी खाओ प्रभु के गुण गाओ' गीत वाली फिल्म-2,2
35. सलमान खान, पूजा, दिव्या दत्त की फिल्म-4
36. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप कुमार, नर्गिस की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2031

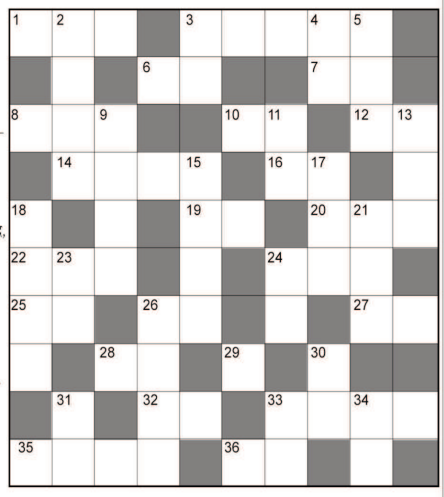

ऊपर से नीचे:-

2. फिरोज खान, अनिल कपूर, नाना पाटेकर, अक्षयकुमार, कैटरीना कैफ मल्लिका शेरावत की 'होंठ रसीले' गीत वाली फिल्म-4
3. 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली अजय देवगन, नाना पाटेकर, फरदीन, उर्मिला, रेखा, तनुजा, सीमा बिस्वास की फिल्म-2
4. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो की 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-2
5. 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-3
9. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद खन्ना, हेमा मालिनी, रंजीता की 'कहानियां सुनाती है पवन' गीत वाली फिल्म-4
11. 'तू मेरे सामने' गीत वाली सनी देओल, शाहरुख खान, जूही चावला की फिल्म-2
13. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूं दिल में प्यार मेरा' गीत वाली फिल्म-3
15. अभिषेक, ऐश्वर्या की फिल्म 'गुरु' के संगीतकार कौन थे-4
17. 'कान में झुमका' गीत वाली फिल्म 'सावन-भादों' के नायक का प्रथम नाम-3
18. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक-4
21. करण दीवान, स्वर्णलता की 'आँखियां मिला के जिया भरमा के' गीत वाली फिल्म-3
23. फिल्म 'सड़क' में संजय दत्त की नायिका-2
24. संजय दत्त, मंदाकिनी की 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-2
26. 'तेरी पायल की झंकार छेड़ गई' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-2,2
30. 'एक प्यार का नगमा है' गीत वाली फिल्म-2
31. 'प्यार घर आया रे' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की फिल्म-2
33. मधुबाला की अंतिम फिल्म-2
34. 'चांदी की साइकल सोने की सीट' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2030

अ	भि	ला	षा		दु		खु	श	बू
न		ल		दु	श्म	न		मी	
प	रि	च	य		नी		ख	ली	फा
ढ़			की	र्ति		रा	जा		गु
	आ	र्य	न		जि		ना	दा	न
भा	ई			कि	स्म	त		स्ता	
	ना		मे	ला		म	हा	न	ता
अं		नू	री		अ	न्ना			क
जा	ल		जं	ग	ली		सी		त
न	व	रं	ग		शा	ली	मा	र	

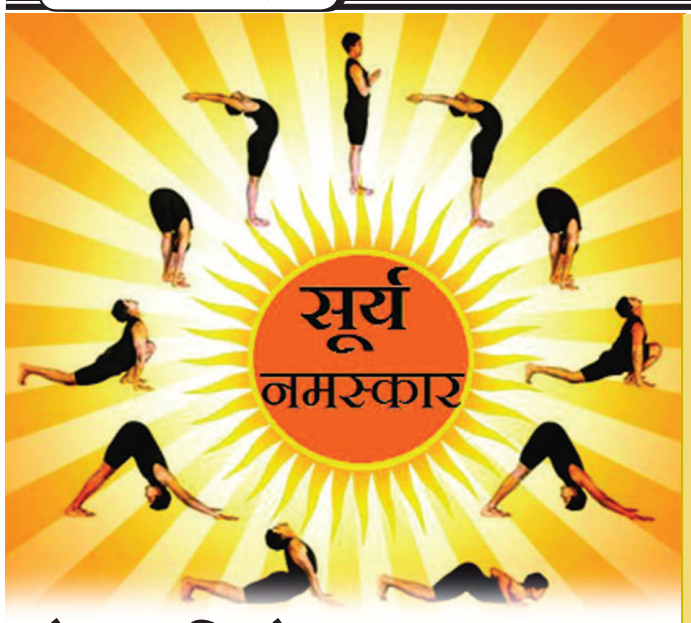

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। कोविड महामारी के समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं-

सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें-

- दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नमः' मंत्र के द्वारा करें।
- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।
- तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।
- इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिंचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।
- श्वास को धीरे-धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहस्रार चक्र' पर केन्द्रित करने का अभ्यास करें।
- श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।
- इस स्थिति में धीरे-धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।
- यह स्थिति - पांचवीं स्थिति के समान
- यह स्थिति - चौथी स्थिति के समान
- यह स्थिति- तीसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - दूसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों-पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का-फुल्का हो जाता है। सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी-बड़ी सभी नस-नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -

- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
- अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
- दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
- गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
- निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
- हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।
- मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।
- दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।
- शांति, सामरथ्य, संतोष, शांति, विद्वता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।
- चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।
- रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रात :काल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।
- ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।
- महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

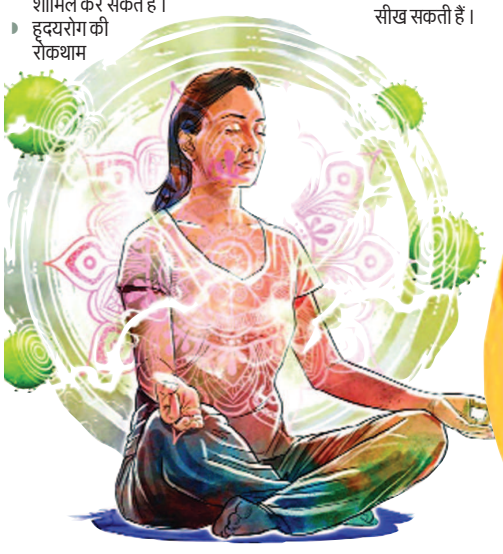

लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी

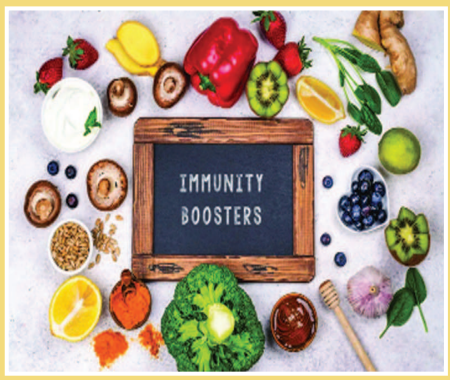

इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरूआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पॉट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटॉबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरूस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल ठान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरूआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिसी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।

जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

- एंटीबायोटिक - हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।
- औषधियां - जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।
- नींद - पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।
- शुगर - शकर खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।
- धूप है जरूरी - त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।
- जिंक - जिंक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिंक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिंक प्राप्त हो।
- पत्तेदार सब्जियां - पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करे मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।

विप्रो के दक्षिण पूर्व एशिया के प्रबंध निदेशक बने श्रीनिवासन

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी विप्रो ने बद्रीनाथ श्रीनिवासन को दक्षिणपूर्व एशिया के लिए प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी की ओर से कहा गया कि श्रीनिवासन कारोबार वृद्धि, राजस्व विस्तार, ग्राहकों से संबंध, कौशल विकास और ब्रांड निर्माण के विप्रो के दृष्टिकोण पर ध्यान देंगे। वह दक्षिणपूर्व एशिया के अहम बाजारों को भी मजबूत करेंगे और बड़े सौदों और रणनीतिक परिवर्तन समझौतों पर काम करेंगे। इससे पहले श्रीनिवासन इंफोसिस में वित्तीय सेवाएं एवं बीमा क्षेत्र के लिए एशिया लीडर की भूमिका में थे। विप्रो के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (एपीएमई) एनएस बाला ने कहा कि दक्षिणपूर्व एशिया पर बीते कई वर्षों से विप्रो का रणनीतिक रूप से ध्यान रहा है और व्यापक डिजिटल परिवर्तन, विशेषीकृत प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं तथा नवोन्मेष की क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए इस पर और अधिक ध्यान दिया जा रहा है। विप्रो के एपीएमई (एशिया प्रशांत, पश्चिम एशिया, भारत और अफ्रीका) रणनीतिक बाजार इकाई के तहत छह प्रमुख क्षेत्रों में दक्षिणपूर्व एशिया भी है जिन पर कंपनी का विशेष ध्यान है।

आयकर विभाग ने 1.62 लाख करोड़ का जारी किया फंड

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने गुरुवार को कहा कि इस वित्त वर्ष में अब तक उसने 1.79 करोड़ करदाताओं को 1.62 लाख करोड़ रुपढ से अधिक के रिफंड जारी किए हैं। इसमें आकलन वर्ष 2020-21 के 1.41 करोड़ रिफंड शामिल हैं, जो 27,111.40 करोड़ रुपए के हैं। आयकर विभाग ने ट्वीट किया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अप्रैल 2021 से 24 जनवरी 2022 के बीच 1.79 करोड़ से अधिक मतदाताओं को 1,62,448 करोड़ रुपए से अधिक के रिफंड जारी किए हैं।

पेट्रोल और डीजल 84 वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के 90 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ने के बावजूद घरेलू स्तर पर गुरुवार को लगातार 84 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। सिंगापुर में सुबह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.89 प्रतिशत की गिरावट लेकर 89.16 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.93 प्रतिशत उतरकर 86.54 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद अधिकांश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम कर दिया था, जिससे आम आदमी को काफी राहत मिली थी।

बोइंग को चौथी तिमाही में 4.16 अरब डॉलर का घाटा

शिकागो। विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग को चौथी तिमाही में 4.16 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। कंपनी के सबसे अधिक बिकने वाले विमानों में से एक के उत्पादन की खामियों से उसकी वित्तीय स्थिति खराब हुई है। विमान विनिर्माता कंपनी ने अपने 787 जेटलाइनर की आपूर्ति में देरी और विमानन कंपनियों को मुआवजे देने के लिए 3.5 अरब डॉलर की भरपाई की जिम्मेदारी ली है। कई विमानन कंपनियां अभी भी विमानों की आपूर्ति का इंतजार कर रही है। कंपनी ने कहा कि 787 विमान के साथ समस्याओं से उत्पादन लागत में 2 अरब डॉलर का इजाफा होगा, जो पहले के अनुमान से दोगुना है। गौरतलब है कि मई 2021 में नए 787 की आपूर्ति रोक दी गई थी। इस विमान के उत्पादन में खामियां पाई गई थीं। कंपनी अभी तक इस खामी को दूर नहीं कर पाई है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मार्च से नीतिगत दरों को सख्त किये जाने के संकेतों से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 581.21 अंक करीब एक फीसदी फिसलकर 57,276.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 167.80 अंक तकरीबन 0.97 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,110.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक का शेयर सबसे ज्यादा चार फीसदी से अधिक नीचे आया है। इसके अलावा टेक महिंद्रा, डॉ. रेड्डीज, विप्रो, टीसीएस, टाइटन और इन्फोसिस के शेयर भी गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर एक्सिस बैंक, एसबीआई, मारुति और कोटक बैंक के शेयर नीचे आये हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर बढ़ाने के संकेतों से बाजार नीचे आया है। इससे निवेशकों में विदेशी पूंजी निकासी की आशंकाएं बढ़ी हैं। इससे पहले मंगलवार को भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं बुधवार को बाजार बंद रहा था। शेयर बाजार में कई टेक कंपनियों के स्टॉक में पिछले कुछ समय से जो गिरावट आई है उसका भी प्रभाव अब अनलिस्टेड बाजार पर दिखने लगा हैं। निवेशक शेयर बाजार के साथ-साथ अनलिस्टेड बाजार से भी दूर जा रहे हैं।

फ्यूचर समूह सामान्य बीमा उपक्रम में जेनेराली को बेचेगा 25 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कर्ज में डूबे फ्यूचर समूह ने घोषणा की है कि वह फ्यूचर जेनेराली इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईआईसीएल) में अपनी 25 प्रतिशत इक्विटी अपने इस संयुक्त उपक्रम के साझेदार जेनेराली को 1,252.96 करोड़ रुपए में बेचेगा। समूह ने कहा कि यह कदम कर्ज चुकाने के लिए उसकी संपत्ति मौद्रीकरण योजनाओं का हिस्सा है। फ्यूचर समूह ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि जेनेराली ने एफजीआईआईसीएल में फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) के बचे ब्याज को भी अपनाने का विकल्प लिया है। एफजीआईआईसीएल फ्यूचर एंटरप्राइजेज और जेनेराली पार्टिसिपेंशन्स नीदरलैंड्स एनवी (जेनेराली) का संयुक्त उपक्रम है। समूह ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि एफईएल सामान्य बीमा क्षेत्र के अपने संयुक्त उपक्रम एफजीआईआईसीएल में अपनी 25 फीसदी हिस्सेदारी उपक्रम के साझेदार जेनेराली को 1,252.96 करोड़ रुपए में बेचने को तैयार हुआ है।

अडाणी विल्मर का आईपीओ खुला

नई दिल्ली । अडाणी विल्मर का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए गुरुवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। इस आईपीओ में निवेशक 31 जनवरी तक इसमें निवेश कर सकेंगे। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 3600 करोड़ रुपए जुटाएगी। कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 218-230 रुपए तय किया है। गौरतलब है कि यह साल का तीसरा आईपीओ होगा। गौरतलब है कि अडाणी विल्मर का आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इक्विटी शेयर्स पर आधारित है और दूसरी तरह की कोई ऑफरिंग नहीं की जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक संभावना है कि आगामी 8 फरवरी को कंपनी के शेयर एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी इश्यू में से 107 करोड़ रुपए के शेयर कर्मचारियों के लिए जारी किए गए हैं। वहीं 360 करोड़ रुपए के शेयर कंपनी के शेयरहोल्डर्स के लिए जारी किए हैं। अडानी विल्मर के कर्मचारियों को फाइनल इश्यू प्राइस से 21 रुपए कम भाव पर शेयर मिलेंगे। देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी फूड कंपनियों में से एक अडाणी विल्मर ने 25 जनवरी को 15 एंकर निवेशकों से 939.9 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया है कि कंपनी ने एंकर निवेशकों को 4.08 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए हैं। कंपनी ने इश्यू के अपर प्राइस बैंड 230 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से शेयर जारी किया है।

दिनेश कार्तिक और दीपिका पल्लीकल ने जुड़वा बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए निओलेक्टा के 100% मानव दूध उत्पादों को दिया श्रेय

स्तनपान की चुनौतियों का सामना करने वाली नई माताओं के लिए, निओलेक्टा लाइफसाइंसेज 100% मानव दूध उत्पाद वरदान साबित हो रहे हैं। माता-पिता अब अपने बच्चों के लिए मां के दूध का इष्टतम पोषण सुनिश्चित कर सकते हैं, यहां तक कि स्तन के दूध की अनुपस्थिति या अपर्याप्तता में भी।

सुप्रसिद्ध क्रिकेटर दिनेश कार्तिक की पत्नी, अर्जुन पुरस्कार विजेता स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल को अपने जुड़वां बच्चों को ब्रैस्ट फीड करवाने में दिक्कत आ रही थी, जिसकी वजह से वह परेशान थी। लेकिन दीपिका इस बारे में बिलकुल स्पष्ट थीं कि उनके बच्चों को मानव दूध के अलावा और कुछ नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि उनका मानना है कि भले ही शिशु फार्मूला उत्पाद तकनीक काफी ऊन्नत हो गई है लेकिन यह कभी भी मानव दूध के पोषण की गुणवत्ता को मैच नहीं कर सकती। तब डॉक्टर ने उन्हें शिशुओं के लिए बेस्ट पोषण सुनिश्चित करने के लिए निओलेक्टा लाइफसाइंसेज 100% मानव दूध का उपयोग करने का सुझाव दिया।

"मेरे बहुत कोशिश करने के बावजूद, मेरे जुड़वा बच्चों के लिए स्तनपान एक चुनौती बना हुआ था, मैं उन डॉक्टर की आभारी हूं जिन्होंने हमें निओलेक्टा लाइफसाइंसेज के पूरी तरह जांच किये गए, पास्चुरीकृत मानव दूध से निर्मित उत्पादों को इस्तेमाल करने के लिए परामर्श दिया। दिनेश और मैं दोनों ही सही समय पर सही पोषण के महत्व को समझते हैं और मैं स्तनपान के साथ-साथ निओलेक्टा पीएचबीएम का उपयोग करती हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मेरे बच्चे 100% मानव दूध आहार पर रहें,ज्ज् दीपिका पल्लीकल ने कहा।

"यह जानते हुए कि पोषण का सही विकल्प बच्चों के स्वास्थ्य और वेलबीइंग को सही दिशा देने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, हम अपने जुड़वां बच्चों के लिए निओलेक्टा पाश्चराइज्ड ह्यूमन ब्रेस्ट मिल्क (पीएचबीएम) का उपयोग करके बेहद खुश हैं। निओलेक्टा के प्रोडक्ट से हमारे बच्चों को श्रेष्ठतम पोषण मिल पाया है और हम उम्मीद करते है कि ज्यादा से ज्यादा माता-पिता अपने बच्चों के लिए सही पोषण और 100% मानव दूध आहार सुनिश्चित करने के प्रति जागरूक होंगे,ज्ज दिनेश कार्तिक ने कहा।

ऐसे कई मामले हैं जहां माएं या तो पर्याप्त ब्रैस्ट मिल्क न बन पाने के लिए संघर्ष करती हैं या कुछ महिलाएं किसी गंभीर शारीरिक समस्या की वजह से ब्रेस्ट फीड करवाने में असमर्थ होती हैं। ऐसी माओं को अब परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकी अब वह अपने नवजात बच्चे के लिए पूरी तरह से सुरक्षित

मानव दूध सुनिश्चित कर सकती है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने माँ के स्वयं के दूध के अभाव में डोनेट किये हुए पाश्चुरीकृत मानव दूध को अगले सर्वोत्तम विकल्प के रूप में अनुशंसित किया है। निओलेक्टा के 100त्र मानव दूध से निर्मित उत्पादों के द्वारा अब तक 30,000 से अधिक शिशुओं को लाभान्वित किया जा चुका है। इन उत्पादों को खास तरह की परोपराइटरी टेक्नोलॉजी के माध्यम से प्रोसेस किया जाता है. विश्व स्तर पर केवल कुछ ही देशों में मानव दूध द्वारा निर्मित उत्पादों की उपलब्धता है, अब भारत भी उन कुछ देशों में से एक है।

69 साल बाद टाटा की हुई एयर इंडिया

हैंडओवर से पहले पीएम मोदी से मिले थे टाटा संस के चेयरमैन

(एजेंसी)।

टाटा समूह ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी एयर इंडिया का स्वामित्व हासिल कर लिया। गौरतलब है कि इस विमानन कंपनी को करीब 69 साल पहले मुंबई स्थित समूह के लेकर उसका राष्ट्रीयकरण किया गया था। हस्तांतरण की प्रक्रिया यहां बृहस्पतिवार दोपहर में विमानन कंपनी के मुख्यालय में पूरी हुई।

एयर इंडिया को वापस पाकर समूह उत्साहित

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया को वापस पाकर समूह उत्साहित हैं और इसे विश्वस्तर की विमानन कंपनी बनाने को पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने ट्वीट किया, ''एयर इंडिया का रणनीतिक विनिवेश लेनदेन आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें एयर इंडिया के 100 प्रतिशत शेयर और प्रबंधन नियंत्रण मेसर्स टैलेस प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित किए गए।''

बोली 18,000 करोड़ रुपये में जीत ली थी

उन्होंने कहा कि एयर इंडिया का प्रभार रणनीतिक साझेदार की अगुवाई वाले नए निदेशक मंडल ने ले लिया है। उन्होंने कहा, ''अब नई मालिक टैलेस है।'' टैलेस टाटा समूह की सहायक कंपनी है। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड ने आठ अक्टूबर, 2021 को कर्ज में डूबी एयर इंडिया के अधिग्रहण की बोली 18,000 करोड़ रुपये में जीत ली थी।

एयर इंडिया का रणनीतिक विनिवेश लेनदेन आज पूरा हुआ

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''एयर इंडिया का रणनीतिक विनिवेश लेनदेन आज पूरा हो गया है, जिसमें सरकार को रणनीतिक साझेदार (मैसर्स टैलेस प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी) से 2,700 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। एयर इंडिया और एआईएक्सएल के 15,300 रुपये के कर्ज के दायित्व समेत एयर इंडिया के शेयर (एयर इंडिया और इसकी अनुषंगी एआईएक्सएल के 100 प्रतिशत शेयर और एआईएसएटीएस के 50 प्रतिशत शेयर) रणनीतिक भागीदार को स्थानांतरित किए गए हैं।'

जानें क्या बोले नागर विमानन मंत्री सिंधिया

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि एयर इंडिया नये स्वामित्व के अंतर्गत तेजी से आगे बढ़ेगी और एयरलाइन भारत में एक सफल तथा मजबूत विमानन क्षेत्र का मार्ग प्रशस्त करेगी। एयरलाइन को टाटा संस को सौंपे जाने के बाद सिंधिया ने ट्विटर पर लिखा, ''वास्तव में यह महत्वपूर्ण है कि एयर इंडिया की विनिवेश प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से सफलतापूर्वक निष्कर्ष पर लाया गया है।'

नये मालिक को शुभकामनाएं

उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार की काबिलियत और भविष्य में गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में प्रभावी तरीके से विनिवेश को आगे बढ़ाने के संकल्प को बताता है। मंत्री ने कहा, ''नये मालिक को शुभकामनाएं। मुझे भरोसा है कि एयरलाइन नये स्वामित्व के अंतर्गत तेजी से आगे बढ़ेगी और एयरलाइन भारत में एक सफल तथा मजबूत विमानन क्षेत्र का मार्ग प्रशस्त करेगी।''चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा समूह एयर इंडिया को विश्वस्तरीय एयरलाइन बनाने को प्रतिबद्ध है।

डॉजक्वाइन की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बिटक्वाइन समेत दुनिया भर की क्रिप्टोकरेंसी में नए साल के शुरु होने के बाद से गिरावट देखी जा रही है। ज्यादातर के दाम घट चुके हैं। इस बीच डॉजक्वाइन में भी गिरावट देखने को मिल रही है। गुरुवार को इसकी कीमत में 3.21 फीसदी की कमी आई और इसकी कीमत घटकर 11.51 रुपए पर पहुंच गई। इस कीमत पर डॉजक्वाइन क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 1.5 खरब रुपए पर आ गया है। दुनिया की शीर्ष 10 क्रिप्टोकरेंसी में शामिल डॉजक्वाइन के साल 2021 के ओ खिरी तक एक डॉलर को पार करने का अनुमान लगाया जा रहा था। लेकिन अब जबकि साल खत्म हो चुका है और 2022 चालू हो चुका है तो क्रिप्टो विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस नए साल में इसकी कीमत में तेज वृद्धि देखने को मिलेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि साल 2025 तक इसकी कीमत 1.21 डॉलर यानी 90.75 रुपए पर पहुंच सकती है। वहीं साल 2030 तक यह 3.60 डॉलर यानी 270 रुपए का स्तर छू सकती है। इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर कई ट्वीट पोस्ट किए कि डॉजक्वाइन उनका पसंदीदा सिक्का है। इससे यह डिजिटल मुद्रा तेजी से लोकप्रिय होती गई। कई नामी हस्तियों ने इसमें पैसा लगा रखा है, इसलिए इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। नौ फरवरी 2021 के दिन ही डॉजक्वाइन का मूल्य एकाएक 31 फीसदी बढ़ गया था। तब एलन मस्क और मशहूर रैपर स्नूप डॉग ने इसको लेकर ट्वीट किया था। फरवरी की शुरुआत में क्लबहाउस में उन्होंने यह भी कहा था की डॉजकॉइन भविष्य की करेंसी है।

एस्सार समूह की ब्रिटेन में हाइड्रोजन केंद्र खोलने नए संयुक्त उद्यम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

एस्सार समूह ने एक अरब पौंड के निवेश के साथ स्टैनलो विनिर्माण परिसर में ब्रिटेन का सबसे बड़ा हाइड्रोजन केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोग्रेसिव एनर्जी के साथ एक नए संयुक्त उद्यम की घोषणा की है। एस्सार समूह ने कहा कि कंपनी ने बहुसंख्यक शेयरधारक के रूप में वर्टेक्स हाइड्रोजन का गठन उत्तर पश्चिम इंग्लैंड और उत्तरी वेल्स में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के विकास में मदद के लिए किया है एस्सार ऑयल यूके की वर्टेक्स हाइड्रोजन में 90 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि प्रोग्रेसिव एनर्जी लिमिटेड की शेष 10 फीसदी हिस्सेदारी है। वर्टेक्स देश की हाइड्रोजन उत्पादन अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए ब्रिटेन का पहला सबसे कम कार्बन उत्सर्जन वाला हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र प्रदान करेगा। समूह के अनुसार जॉनसन मैथे की निम्न कार्बन हाइड्रोजन तकनीक का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र को हाइनेट उत्तर पश्चिम में स्थापित किया जाएगा।

फ्लिपकार्ट ने एफआईटीटी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने सामाजिक वाणिज्य क्षेत्र में सहयोग के लिए फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) के साथ एक समझौता किया है। एफआईटीटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईटी-डी) की इकाई है।

फ्लिपकार्ट ने पिछले दिनों कहा था कि सामाजिक वाणिज्य के क्षेत्र में शोध पत्र प्रकाशित करने समेत अन्य कार्यों के लिए वह एफआईआईटी को अनुसंधान अनुदान और बाजार के बारे में जानकारी प्रदान करेगी। कंपनी ने कहा कि यह साझेदारी आईआईटी के शिक्षाविदों को अनुसंधान परियोजनाओं पर फ्लिपकार्ट के साथ मिलकर काम करने का अवसर प्रदान करेगा। इसका मकसद ई-वाणिज्य के क्षेत्र में तकनीकी चुनौतियों को दूर करना है।

बयान के अनुसार फ्लिपकार्ट और एफआईआईटी संयुक्त रूप से कई अन्य पहल पर भी काम करेंगे। इसमें सेमिनार आयोजित करना, सम्मेलन यात्रा अनुदान और प्रशिक्षण तथा मेंटरशिप के अवसर प्रदान करना शामिल है।

टोर्क मोटर्स ने बिजली से चलने वाली मोटरसाइकिल क्रेटॉस पेश की

मुंबई (एजेंसी)।

भारत फोर्ज समर्थित इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी टोर्क मोटर्स ने बिजली से चलने वाली मोटरसाइकल क्रेटॉस बाजार में उतारी है। कंपनी के अनुसार यह मोटरसाइकल क्रेटॉस-आर संस्करण में भी उपलब्ध है और पुणे में सब्सिडी बाद इसकी एक्स-शोरूम कीमत क्रमशः 1.08 लाख और 1.23 लाख रुपए है। कंपनी ने कहा कि नयी क्रेटॉस की बुकिंग इसकी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन की जा सकती है और इसकी आपूर्ति अप्रैल 2022 से शुरू होगी। क्रेटॉस में चार किलोवाट की बैटरी दी गई है और एक बार पूरा चार्ज होने पर 120 किलोमीटर तक चल सकती है। साथ ही यह मोटरसाइकल चार सेकंड में शून्य से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी अधिकतम गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा है।

इसके अलावा क्रेटॉस-आर संस्करण में नौ किलोवाट की बैटरी दी गई है। यह 3.5 सेकंड में शून्य से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दौड़ सकती है और इसकी अधिकतम गति 105 किलोमीटर प्रति घंटा है।

कंपनी ने कहा कि क्रेटॉस एक होम चार्जर के साथ आती है और इसे घर पर चार्जिंग प्लग में लगाकर आसानी से चार्ज किया जा सकता है।

गेंद से छेड़छाड़ के कारण नीदरलैंड के तेज गेंदबाज किंगमा पर लगा प्रतिबंध

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नीदरलैंड के तेज गेंदबाज विवियन किंगमा पर चार मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है। किंगमा पर आरोप है कि उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में गेंद से छेड़छाड़ की थी। दोहा में मंगलवार को खेले गए इस मैच में नीदरलैंड की टीम 75 रनों से हारी थी। यह मामला प्रतियोगिता के 31वें ओवर का था। आईसीसी के अनुसार, किंगमा को खिलाड़ियों और उनके व्यक्तिगत सहयोगी स्टाफ के लिए बने आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.14 का उल्लंघन करते हुए पाया गया था। यह आईसीसी के टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 मैच के खेलने के हालातों के के तहत गेंद से छेड़छाड़ से जुड़ा है। चार मैचों के प्रतिबंध के अलावा किंगमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में पांच नकारात्मक अंक भी जोड़े गए हैं। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के 31वें ओवर में हुई। उस समय किंग्मा ने अपने नाखूनों से गेंद को खरोंच कर उसका आकार बदला था। आईसीसी के अनुसा किंगमा ने अपनी गलती मानने के साथ ही आईसीसी मैच रेफरी के वेंडेल ला ब्रूय द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंध को स्वीकार किया है, इसलिए इस मामले में औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं है।

रोहित की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज में उतरेगी भारतीय टीम

बिश्नोई, हर्षल और हुड्डा भी शामिल , बुमराह और शमी को आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित की है। कप्तान रोहित शर्मा की टीम में वापसी हुई है जबकि युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई, तेज गेंदबाज हर्षल पटेल और ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को भी टीम में शामिल किया गया है। स्पिनर कुलदीप यादव की भी लंबे समय बाद एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 6 अक्टूबर से अहमदाबाद जबकि टी20 सीरीज 16 फरवरी से कोलकाता में खेली जाएगी। चोट के कारण दक्षिण अफ्रीकी दौरे से बाहर रहे रोहित शर्मा टीम की कप्तानी करेंगे। पूर्व कप्तान विराट कोहली भी टीम में शामिल हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा को फिट नहीं होने के कारण आराम दिया गया है।

बीसीसीआई ने यहां जारी एक बयान में कहा, ' बुमराह और शमी को आराम दिया गया है जबकि लोकेश राहुल दूसरे एकदिवसीय से टीम से जुड़ेंगे। जडेजा घुटने की चोट से अभी नहीं उबरे हैं, इसलिए उनके नाम पर विचार नहीं हुआ।% वहीं ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को दक्षिण अफ्रीका में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को टीम में रखा गया है। वेंकटेश को हालांकि टी20 टीम में रखा गया है। युवा वाशिंगटन सुंदर ने भी चोट से उबरने के बाद एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए वापसी की है जबकि अक्षर पटेल टी20 श्रृंखला में ही खेलेंगे।

बिश्नोई को सीमित ओवरों की दोनों टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर कुमार को टी20 टीम में बरकरार रखा गया है पर उन्हें एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच छह, नौ और 11 फरवरी को जबकि टी20 मैच 16, 18 और 20 फरवरी को खेले जाएंगे। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए केवल दो शहरों में ही यह सीरीज खेली जाएगी।

आईसीसी अंडर 19 विश्व कप : बेथेल के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी) । इंग्लैंड की टीम आईसीसी अंडर 19 विश्व क्रिकेट के सेमीफाइन में पहुंच गयी है। जैकब बेथेल के ऑलराउंड प्रदर्शन से उसने दक्षिण अफ्रीका पर छह विकेट से जीत दर्ज की है। बेथेल ने पहले गेंदबाजी के दौरान दक्षिण अफ्रीकी टीम को 209 रनों पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। उसके बाद बल्लेबाजी के दौरान 88 रन बनाकर इंग्लैंड को सेमीफाइनल में पहुंचाया। यहां अब उसका सामना श्रीलंका या अफगानिस्तान से होगा। पाकिस्तान की टीम 28 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया और भारतीय टीम 29 जनवरी को बांग्लादेश से क्वार्टर फाइनल खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चौथे ओवर में ही पहला विकेट गंवा दिया। जोशुआ बॉयडेन ने वेलेंटाइन किटिमे को आउट किया। दक्षिण अफ्रीका का स्कोर दो विकेट पर 21 रन था। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस और गेहार्डस मारी ने 55 रन जोड़े। ब्रेविस 97 रनों पर पेवेलियन लौट गये। उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका के एक रन के अंदर ही तीन विकेट गिर गये। रेहान अहमद ने 48 रन देकर चार विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बेथेल ने 20 गेंद में अर्धशतक लगा दिया। वह 42 गेंद में 88 रन बनाकर आउट हुए पर अब तक मैच इंग्लैंड के पाले में आ गया था। वहीं विलियम लक्स्टोन ने 41 गेंद में 47 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

ऐश बार्टी ने मेडिसन कीज को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में बनाई जगह

मेलबर्न । ऐश बार्टी ने गैरवरीय मेडिसन कीज को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर मेजबान देश के लंबे इंतजार को खत्म किया और अब उनकी नजरें एक और सूखे को खत्म करने पर टिकी हैं। बार्टी ने सेमीफाइनल में एकतरफा मुकाबले में कीज को 6-1, 6-3 से हराया। बार्टी 1980 में वेंडी टर्नबुल के बाद अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली आस्ट्रेलिया की पहली महिला खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया का कोई खिलाड़ी 1978 में क्रिस ओ नील के बाद आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब नहीं जीत पाया है। शीर्ष रैंकिंग वाली बार्टी ने सेमीफाइनल तक के अपने सफर के दौरान सिर्फ 17 गेम गंवाए और उन्होंने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए 2017 अमरीकी ओपन उप विजेता कीज के खिलाफ दबदबा बनाया। बार्टी ने विंबलडन में घसियाले कोर्ट और फ्रेंच ओपन में क्ले कोर्ट पर खिताब जीते हैं और वह हार्ड कोर्ट पर खिताब जीतने से एक जीत दूर हैं।

पॉवेल और पूरन की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज जीती

तीसरे टी20 में 20 रनों से हारी इंग्लैंड

ब्रिजटाउन (एजेंसी) । वेस्टइंडीज ने पांच टी20 मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड टीम को 20 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम वेस्टइंडीज ने रोवमैन पॉवेल के शतक और निकोलस पूरन के अर्धशतक से निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम नौ विकेट पर 204 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से टॉम बेंटन और फिलिप साल्ट ने अर्धशतक लगाया पर इसके बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने तीन जबकि कायरन पोलार्ड ने 31 रन देकर दो विकेट लिए। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज टीम को सीरीज में 2-1 की बढ़त मिल गयी है। सीरीज का पहला मैच वेस्टइंडीज ने जीता था जबकि दूसरे मैच में इंग्लैंड को जीत मिली थी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग 10 और शाई होप 04 शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गए। इसके बाद पूरन और पॉवेल ने आक्रामक बल्लेबाजी की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 122 रन बनाये। पॉवेल ने 53 गेंदों में 4 चौके और 10 छक्कों की सहायता से 107 रन बनाए। इस प्रकार उन्होंने केवल 14 गेंदों में 76 रन बनाये। वहीं, पूरन ने 43 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 70 रनों की पारी खेली. वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से रिस टोपले, टाइमल मिल्स, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल रशीद और जार्ज गार्टन ने एक-एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय 19 रन पर ही पेवेलियन लौट गये पर टॉम बेंटन ने 39 गेंद में तीन चौके और छह छक्के की मदद से 73 रनों की आक्रमक पारी खेलकर अपने टीम को संभाला।

इसके अलावा आखिरी क्षणों में फिलिप साल्ट ने 24 गेंदों में तीन चौके और पांच छक्के की मदद से 57 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

दीपक हुड्डा के चयन के बाद प्रशंसकों ने क्रुणाल पंड्या को ट्रॉल किया

मुम्बई । युवा क्रिकेटर दीपक हुड्डा के भारतीय टीम में चयन से बीसीसीआई (चयन समिति) ने सबको हैरान किया है। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि राजस्थान की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले दीपक को वेस्टइंडीज के खिलापफ घरेलू सीरीज के लिए टीम में जगह मिलेगी। इसके बाद भी नये कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने इस युवा खिलाड़ी को अवसर दिया है। हुड्डा पिछले साल तब अचानक ही चर्चाओं में आये थे। जब उन्होंने टीम के कप्तान क्रुणाल पंड्या से झगड़े के बाद बड़ौदा टीम को छोड़ दिया था। तब उन्होंने आरोप लगाया था कि क्रुणाल ने उनका करियर समाप्त करने की धमकी दी थी। हुड्डा के भारतीय टीम में चयन के बाद क्रुणाल पंड्या के ट्विटर अकाउंट से एक के बाद एक 10 ट्वीट हुए। इसके बाद प्रशंसको ने भी क्रुणाल को जमकर ट्रॉल किया और लिखा कि शायद दीपक हुड्डा को टीम में जगह मिलने से उनका दिमाग खराब हो गय है। वहीं कई प्रशंसकों के अनुसार क्रुणाल के ट्वीट देखकर लग रहा है कि उनका ट्विटर अकाउंट हैक हो गया है क्योंकि क्रुणाल के अकाउंट से जो ट्वीट किए गए हैं, उसमें बिटक्वॉइन खरीदने की भी बातें लिखी गई है। वहीं इस मामले में अब तक क्रुणाल की ओर से इस पर कोई बयान नहीं आया है। ऐसे में प्रशंसकों को उनकी खिंचाई का पूरा मौका मिल गया।

शास्त्री ने विराट को दो-तीन महीने का ब्रेक लेने की सलाह दी

मस्कट (ओमान)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने पूर्व कप्तान विराट कोहली को सलाह दी है कि वह अपने करियर को बढ़ाने के लिए खेल से दो-तीन माह का ब्रेक लें। शास्त्री के अनुसार विराट अगर यह ब्रेक लेते हैं तो वह आने वाले तीन-चार साल तक खतरनाक खिलाड़ी के तौर पर खेल सकते हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को मिली हार के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। भारत की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी करने वाले विराट सबसे सफल भारतीय टेस्ट कप्तान भी हैं। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में टीम की कमान संभाली जिसमें से 40 मैचों में टीम को जीत मिली। शास्त्री के अनुसार विराट अगर थोड़े समय आराम कर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान दें तो वह चार से पांच साल और खेल सकते हैं। पाक तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के साथ बातचीत के दौरान शास्त्री ने कहा, 'विराट भी समझ रहे हैं कि वह अभी 33 साल के हैं पर उनके अंदर अभी भी पांच साल का क्रिकेट बचा है। अगर वह केवल बल्लेबाजी पर ही ध्यान दे तो उन्हें लाभ मिलेगा। इसके लिए वह एक समय में एक मैच के बारे में ही विचार करें और खेल से छोटा सा ब्रेक भी ले ले। मुझे लगता है कि अगर वह दो-तीन महीने का ब्रेक ले तो उसके लिए यह बेहतर होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'इस ब्रेक के बाद वह टीम में लौटे और हावी होकर बल्लेबाजी करे। उन्हें पता हो कि टीम में उनकी भूमिका क्या है।' गौरतल है कि विराट ने विश्व कप के बाद टी20 की कप्तान छोड़ दी थी जबकि दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले उन्हें एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए भारतीय महिला टीम के सभी मैच क्वींसटाउन में होंगे

ऑकलैंड (एजेंसी)। कोविड-19 संक्रमण के खतरे को देखते हुए न्यूजीलैंड दौरे पर गयी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सभी मैच अब क्वींसटाउन के जॉन डेविस ओवल स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। क्रिकेट क्रिकेट ने गुरूवार को कहा कि संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए सभी मैच एक ही स्थल पर रखे गये हैं। जिससे टीमों को कम यात्राएं करनी पड़ें। भारतीय महिला टीम को अपने इस दौर में मेजबान टीम के साथ पांच एकदिवसीय और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं यह मैच अगले माह 9 फरवरी से शुरू होंगे। इस संशोधित कार्यक्रम की घोषणा गुरूवार को न्यूजीलैंड क्रिकेट ने की। साथ ही कहा कि स्थलों में बदलाव यात्रा को कम करने और कोविड-19 वैरिएंट ओमिक्रोन के खतरे को कम के मकसद से किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 के हॉटस्पाट से बचने के लिए ही ये उपाय किए गए हैं जिसमें यात्रा को कम करना, रहने के लिए जगह बदलने को कम करना तथा सुरक्षित माहौल में काम करना शामिल है। यह द्विपक्षीय सीरीज मार्च-अप्रैल में होने वाले विश्व कप से पहले भारत के लिए काफी अहम होगी। सभी मैचों पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे केवल स्थल नहीं बदलेगा।

शीतकालीन ओलंपिक से पहले नार्वे, स्विट्जरलैंड सहित कई देशों के दिग्गज खिलाड़ी हुए संक्रमित

ओस्लो (एजेंसी)। बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले नार्वे की महिला क्रास-कंट्री स्की टीम की दो सदस्य कोरोना संक्रमित पायी गयी हैं। नार्वे के अलावा स्विट्जरलैंड के हॉकी खिलाड़ी, रूस के 'बॉबस्लेडर्स' और जर्मनी के 'स्केलेटन स्लाइडर्स' भी संक्रमितों में शामिल हैं। इसके अलावा अमेरिका के 'बॉबस्लेडर' जोश विलियमसन भी संक्रमित हुए हैं। जांच में इनके पॉजिटिव होने की बात सामने आयी है। ऐसे में वह चीन जा रही टीम के साथ रवाना नहीं होंगे हालांकि उन्हें भरोसा है कि वह खेलों के शुरु होने तक पूरी तरह फिट हो जायेंगे। वहीं दो बार की विश्व कप चैम्पियन हेडी वेंग और एने जेरस्टी काल्वा भी इटली के 'एलपाइन रिजार्ट' ट्रेनिंग शिविर में पॉजिटिव पाये जाने के बाद से ही पृथकवास में रह रही हैं। नार्वे की क्रांस कंट्री टीम के मैनेजर इस्पन बरविग ने कहा कि अब ओलंपिक खेलों में उनकी भागीदारी पर संदेह है।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट : पीटरसन की आक्रामक बल्लेबाजी से वर्ल्ड जायंट्स जीती

मस्कट (एजेंसी) । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की आक्रामक बल्लेबाजी से लीजेंड्स लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के एक मुकाबले में वर्ल्ड जायंट्स ने एशिया लायंस को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में वर्ल्ड जायंट्स की जीत में पीटरसन की अहम भूमिका रही। पीटरसन ने 38 गेंदों में 86 रनों की शानदार पारी खेली जिससे वर्ल्ड जायंट्स ने एशिया लायंस को सात विकेट से हराया। इस मैच में जीत के लिए मिले 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जायंट्स की टीम का पहला विकेट शुरुआत में ही निकल गया था। बल्लेबाज हर्शल गिब्स 12 रन पर ही आउट हो गये थे। इसके बाद पीटरसन और केविन ओ'ब्रायन ने दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी कर मैच पलट दिया। पीटरसन ने तेजी से खेलते हुए सात छक्कों और नौ चौकों की मदद से 86 रन बनाए जबकि ओ'ब्रायन ने दूसरा छोर संभाले रखा। मुथैया मुरलीधरन ने 11वें ओवर में पीटरसन को पेवेलियन भे दिया पर तब तक मैच उसके हाथ से निकल गया था। इसके बाद ओ'ब्रायन ने नाबाद 31 और ब्रैड हैडिन ने नाबाद 4 रन बनाकर वर्ल्ड जायंट्स को जीत दिलाई। वहीं इससे पहले लायंस ने सात विकेट पर 149 रन बनाए। रेयान साइडबॉटम और मोर्नें मोर्कल ने लायंस के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। उपुल थरंगा ने 22 रन जबकि असगर अफगान ने 41 रन बनाए। चामिंडा वास ने 11 रन बनाए। वहीं अन्य बल्लेबाज नाकाम रहे।

ऑस्ट्रेलिया के पाक दौरे पर संशय छाया

मेलबर्न (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरे पर संकट छा गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को 24 साल के बाद मार्च-अप्रैल में होने वाले इस पाक में 3 टेस्ट, 3 वनडे और एक टी20 मैच खेलने है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 1998 के बाद पहली बार पाक दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शर्त रखी है कि सीरीज के तीनों टेस्ट एक ही स्थल पर रखे जायें पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इससे सहमत नहीं है। पीसीबी का कहना है कि यह मांग मानना संभव नहीं हैं। ऐसे में दौरे को आशंकाएं तेज हो गयी हैं। इसमें टेस्ट के मुकाबले 3 से 25 मार्च के बीच कराची, रावलपिंडी और लाहौर में होने हैं जबकि सीमित ओवरों के मैच 29 मार्च से 5 अप्रैल तक लाहौर में खेले जाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट सीए चाहता है कि टेस्ट सीरीज के सभी मैच एक ही जगह आयोजित किए जाएं। उसका कहना है कि सुरक्षा और स्वास्थ्य कारणों से यह जरुरी है। वहीं पिछले साल इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दोनों ने सुरक्षा कारणों से पाक के दौरे को रद्द कर दिया था। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सीरीज के सभी मुकाबले बायो बबल में खेले जाने हैं। पीसीबी ने तीनों टेस्ट एक ही स्थल पर कराने को लेकर किसी तरह की बात से इंकार कर दिया है। एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह की कोई बातचीत सीए से नहीं चल रही है। एक ही स्थल पर अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए 19 दिन तक व्यवस्था नहीं की जा सकती। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सुरक्षा की पुख्ता तैयारी तीनों स्थलों पर की गई हैं। इसलिए सीए को इसमें किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिये। साथ ही कहा कि पिछले साल दिसंबर में सीए के सीईओ निक हॉकले ने कहा था कि द्विपक्षीय सीरीज के मुकाबले कोविड-19 के बाद भी कार्यक्रम के अनुसार होंगे। गौरतलब है कि साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए हमले के बाद से ही टीमें पाक दौर से बचती रही हैं। पीसीबी इस कारण से काफी आहत है। इस बार उसने किसी प्रकार ऑस्ट्रेलिया को दौरे के लिए तैयार किया था पर अब यह स्थल का मामला उठ गया।

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान चरणजीत सिंह का निधन

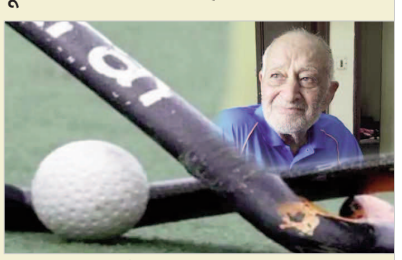

ऊना । भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान चरणजीत सिंह का निधन हो गया है। वह 92 साल के थे और पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने अपने घर पर ही सुबह पांच बजे अंतिम सांसें लीं। वह 1964 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान रहे थे। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने साल 1964 में टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। उनके निधन पर खेल जगत ने दुख व्यक्त किया है। साल 1950 में उन्हें भारतीय हॉकी टीम में शामिल किया गया था। वह 1951 और 1955 में पाकिस्तान गई भारतीय टीम में भी शामिल रहे थे। साल 1959 में यूरोप दौरे के लिए गई भारतीय टीम का भी वह हिस्सा रहे। रोम ओलंपिक में भी भारतीय टीम में चरणजीत को शामिल किया गया था पर वह चोटिल होने के कारण इस स्पर्धा के फाइनल मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। साल 1961 में उन्हें भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया। बाद में उनके नेतृत्व में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक्स में स्वर्ण जीता। उन्हें साल 1963 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके बाद साल 1964 में ओलपिंक स्वर्ण पदक जीतने के बाद उन्हें सरकार ने पद्म श्री से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रभास पाटन में फहराया तिरंगा

अहमदाबाद ।

73वें गणतंत्र दिवस की सुबह गिर सोमनाथ जिले के वेरावल-प्रभोास पाटन के सद्भावना मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तिरंगा फहराया। उन्होंने तिरंगे को सलामी देकर गिर सोमनाथ से पूरे राज्य की जनता को 73वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने तिरंगा फहराया तब राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ वायु सेना के हेलीकॉप्टर से समारोह स्थल पर पुष्प वर्षा की गई। कोविड-19 की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर कोविड प्रोटोकॉल के साथ आयोजित इस राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री ने खुली जीप पर सवार होकर विभिन्न प्लाटूनों का निरीक्षण कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव पंकज कुमार और पुलिस महानिदेश आशीष भाटिया मौजूद थे। परेड की कमान सहायक पुलिस अधीक्षक आईपीएस अभिषेक गुप्ता ने संभाली और द्वितीय परेड कमांडर के रूप में सहायक पुलिस आयुक्त सागर साबड़ा मौजूद रहे। परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्लाटून में पहले स्थान पर गुजरात जेल पुलिस प्लाटून, दूसरे स्थान पर गुजरात मरीन कमांडो प्लाटून और तीसरे स्थान पर जूनागढ़ महिला पुलिस प्लाटून रही। जबकि पैरा मिलिट्री श्रेणी में द्रुत कार्य बल (आरएएफ) के प्लाटून कमांडर को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2022 विजेता और शारीरिक अक्षमता के बावजूद योग में महारत हासिल करने वाली गुजरात की बेटी अन्वी झांझरूकिया को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सम्मानित किया। वहीं, करुणा अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशु चिकित्सक डॉ. पार्थ कुमार मेहता, प्रकृति नेचर क्लब के योगेशभाई चूड़ास्मा, आगा खान एजेंसी फॉर हैबिटेट चित्रावड़ के अरविंदभाई भगवानभाई मेर, स्वयंसेवक सुरेशभाई बचुभाई बाखलखिया और नितिनभाई हरेशभाई राम का मुख्यमंत्री ने सम्मान किया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं एवं कार्यकर्ताओं को कोरोना टीके की प्रीकॉशन डोज दी गई। मुख्यमंत्री ने गिर सोमनाथ के कलक्टर राजदेवसिंह गोहिल

धूमधाम से मनाया गया 73वां गणतंत्र दिवस: गिर सोमनाथ जिले में आयोजित हुआ राज्यस्तरीय समारोह

को नगर पालिका क्षेत्र के विकास के लिए 2.50 करोड़ रुपए और जिला विकास अधिकारी रवींद्र खताले को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए 2.50 करोड़ रुपए का चेक सौंपा। गणतंत्र पर्व समारोह में विभिन्न सुरक्षा बलों की 18 प्लाटून द्वारा अनुशासित तरीके से परेड की गई। इस प्लाटून में तटरक्षक बल, आरएएफ-वस्त्राल, मरीन कमांडो-जामनगर, जूनागढ़ महिला पुलिस प्लाटून, राजकोट शहर पुलिस की महिला प्लाटून, गिर सोमनाथ जिला पुलिस, गुजरात जेल पुलिस, पोरबंदर जिला पुलिस, अहमदाबाद शहर यातायात पुलिस, गुजरात वन विभाग की महिला प्लाटून, जिला होमगार्ड प्लाटून, जिला सागर रक्षक बल प्लाटून, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्रों की प्लाटून, गुजरात श्वान दल, गुजरात अश्व दल और राज्य आरक्षित पुलिस (एसआरपी) की पाइप बैंड प्लाटून ने कदमताल करते हुए राष्ट्र ध्वज को सलामी दी। समारोह से पूर्व मुख्यमंत्री ने सोमनाथ महादेव मंदिर परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। कार्यक्रम के बाद सोमनाथ ट्रस्ट की गौशाला पहुंचकर श्री भूपेंद्र पटेल ने पौधारोपण किया और चंदन वन का निरीक्षण किया। समारोह में सांसद राजेशभाई चूड़ास्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. राकेश, जिला पंचायत अध्यक्ष रामीबेन वाझा, विधायक पूंजाभाई वंश, विमलभाई चूड़ास्मा, प्रदेश भाजपा मंत्री झवेरीभाई ठकरार, जिला कलक्टर राजदेवसिंह गोहिल, पूर्व मंत्री जशाभाई बारड़, पूर्व विधायक राजशीभाई जोटवा, जेडी सोलंकी, नगर पालिका अध्यक्ष पीयूषभाई फोफंडी, सोमनाथ जिला भाजपा अध्यक्ष मानसिंह परमार, पुलिस अधीक्षक राहुल त्रिपाठी सहित समाज के अग्रणी एवं नागरिक उपस्थित थे।

कांग्रेस सांसद और विधायक केन्द्रीय पार्टी, संगठन के लोगों के लिए जगह नहीं: जयराजसिंह

अहमदाबाद ।

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को जोड़ने के प्रयासों में जुटी प्रदेश कांग्रेस में चल रही अंदरुनी कलह पार्टी प्रवक्ता के एक ट्वीट से सामने आ गई है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता जयराजसिंह परमार ने एक ट्वीट कर पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं। जयराजसिंह परमार ने अपने ट्वीट में लिखा च्च कांग्रेस पक्ष हमेशा संसद सदस्यों और विधायकों केन्द्रीत पार्टी रही है। कांग्रेस पार्टी में संगठन के लोगों का कहीं स्थान नहीं होता, फिर संगठन का महत्व कैसे बढ़ेगा?ज्ज जयराजसिंह परमार के ट्वीट का कांग्रेस नेता मनहर पटेल ने समर्थन किया है। मनहर पटेल ने ट्वीट कर लिखा च्च्मुझे भयंकर डर लग रहा है कि कहीं ऐसा न हो कि सही समय पर सच्चे कांग्रेसी योद्धा घर न बैठ जाएं। बोटाद जिला पंचायत के चुनाव में सभी नामांकन रद्द हुए थे, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? इसके बावजूद पार्टी में कोई गंभीर चर्चा नहीं, कोई चिंतन नहीं, प्रमुख और प्रभारी समेत वरिष्ठ नेताओं का इस बारे में ध्यान आकृष्ट किया था।ज्ज जयराजसिंह परमार और मनहर पटेल की नाराजगी ऐसे समय में आई है, जब प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व पाटीदारों की संस्था खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला और पास नेता अल्पेश कथीरिया को कांग्रेस से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रघु शर्मा पार्टी में नरेश पटेल का स्वागत करने को बेताब हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर एक कार्यक्रम में शंकरसिंह वाघेला को पार्टी में शामिल होने का न्यौता दे

चुके हैं। इसके अलावा हाल ही में कांग्रेस विधायक ललित कथगरा, प्रताप दूधात और किरीट पटेल ने अल्पेश कथीरिया से मुलाकात कर पार्टी से जोड़ने की कोशिश की थी। माना जा रहा है कि जयराजसिंह परमार ने इन्हीं घटनाओं को ध्यान में रखते हुए ट्वीट कर अपनी नाराजगी जाहिर की है। जयराजसिंह के विचार से यह काम संगठन को करना चाहिए, उसके बजाए कांग्रेस विधायक कर रहे हैं।

गुजरात में दैनिक केसों की संख्या घटी, 12911 नए मामले, 23197 ठीक होकर घर लौटे

अहमदाबाद।

गुजरात में कोरोना के दैनिक मामले लगातार घट रहे हैं और ठीक होनेवालों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। गुरुवार को राज्यभर में कोरोना के 12911 नए केस दर्ज हुए, वहीं 2319। लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। जबकि 22 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। गुरुवार को राज्य में 2.13 लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 4405 नए केस दर्ज हुए। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 18।1, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1008, सूरत कॉर्पोरेशन में 708, वडोदरा में 524, सूरत में 386, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 364, मेहसाणा में 302, पाटन में 270, राजकोट में 259, बनासकांठा में 243, कच्छ में 243, भावनगर कॉर्पोरेशन में 233, आणंद में 196, भरुच में 180, जामनगर कॉर्पोरेशन में 72, वलसाड में 171, मोरबी में 166, गांधीनगर में 158, खेडा में 144, नवसारी में 142, साबरकांठा में 105, अहमदाबाद में 96, सुरेन्द्रनगर में ।0, अमरेली में 69, पंचमहल में 50, जामनगर में 43, दाहोद में 3।, गिर सोमनाथ में 36, जूनागढ़ में 36, देवभूमि द्वारका में 33, पोरबंदर में 32, भावनगर में 30, महीसागर में 29, तापी में 28, अरवल्ली में 19, छोटाउदेपुर में 15, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 15, नर्मदा में 12, बोटाद में 6 और डांग में 5 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 12911 नए मरीज सामने आए। वहीं 23197 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में अब तक 992431 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। गुरुवार को अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 7, राजकोट कॉर्पोरेशन में 3, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, मेहसाणा में 2, भरुच में 2, सूरत कॉर्पोरेशन में 1, भावनगर कॉर्पोरेशन में 1, जामनगर कॉर्पोरेशन में 1, वलसाड में 1, नवसारी में 1 और भावनगर में 1 समेत राज्यभर में 22 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। कोरोना राज्य में अब तक 10345 लोगों को निगल चुका है। फिलहाल राज्य में 117884 सक्रिय मरीजों में 117580 स्टेब हैं और 304 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। आज राज्य में 213822 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 9 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 556 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 5189 को पहला और 25421 लोगों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 23804 को पहली और 67484 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। 15 से 18 वर्षीय 2598। किशोरों को कोरोना का पहला डोज दिया गया। जबकि 65372 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया। राज्य में अब तक कुल 9 करोड़ 71 लाख 90 हजार 691 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

इंसाफ फाउंडेशन द्वारा मनाया गया 73वां गणतंत्र दिवस

सूरत, सूरत भूमि, । बुधवार 26/01/2022 को सुबह 8ः30 बजे इंसाफ फाउंडेशन द्वारा मंदारवाजा में आयोजित 73वें गणतंत्र दिवस पर इंसाफ फाउंडेशन के अध्यक्ष मौलाना फैयाज लातूरी साहिब ने झंडा फहराकर सलामी दी. कार्यक्रम की शुरुआत कारी अकील साहब द्वारा कुरान पाठ के साथ हुई और देशभक्ति गीत एक छोटे बच्चे अम्मार लाइटवाला द्वारा प्रस्तुत किया गया। और जिसमें मुख्य अतिथि श्री ओ गोरक्षा समिति के अध्यक्ष धर्मेशभाई गामी अधिवक्ता फिरोजखान पठान फिरोज बागबान मोला के फैयाज लातूरी साहब ने भाषण दिया. असलम सैकलवाला, नजीम शाह, असलम मोबाइल, महमूद चाहवाला, सांबू बावा, अफसर लाइटवाला, सफी शेख मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन निसार भाई लाइटवाला ने किया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इंसाफ फाउंडेशन के सदस्यों ने कड़ी मेहनत की।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इण्डिया द्वारा गुजरात में विभिन्न 6 प्रोजेक्ट्स में 1.66 लाख करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में गांधीनगर में आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इण्डिया लिमिटेड ने राज्य में विभिन्न 6 प्रोजेक्ट्स में 1 लाख 66 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव को लेकर स्वपर हस्ताक्षर किए। 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2022 के अंतर्गत गुजरात सरकार के उद्योग विभाग तथा आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इण्डिया लिमिटेड के बीच हुए इस स्व पर अतिरिक्त उद्योग मुख्य सचिव डॉ. राजीव कुमार गुप्ता तथा आर्सेलर मित्तल निप्पॉन इण्डिया की ओर से सीईओ दिलीप ओमन ने हस्ताक्षर किए। इस स्वके अनुसार आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इण्डिया लिमिटेड द्वारा जिन 6 प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स में निवेश किया जाना है, उनमें हज़ीरा स्थित मौजूदा कैप्टिव जेटी के एक्सपॉन्शन तथा मॉडर्नाइजेशन के लिए 4200 करोड़ रुपए, वर्तमान 8.6 MMTPA के स्टील मैन्युफेक्चरिंग प्लांट की क्षमता बढ़ा कर 18 MMTPA· रने के लिए 45 हजार करोड़ रुपए, सूरत के सुवाली स्थित ग्रीन प्लांट के कैप्टिव पोर्ट कैपेसिटी सहित एक्सपॉन्शन के लिए 30 हजार करोड़ रुपए तथा किडियाबेट-सूरत में स्टील सिटी तथा इण्डस्ट्रियल कलस्टर के लिए 30 हजार करोड़ रुपए का निवेश शामिल है।

इतना ही नहीं, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इण्डिया द्वारा राज्य में विभिन्न स्थानों पर 40 हजार करोड़ रुपए के निवेश के साथ कुल 10 गिगावॉट रिन्यूएबल पावर जनरेशन प्लांट्स स्थापित किए जाएँगे, जिनमें हाईब्रिड, सोलर तथा विण्ड एनर्जी; तीनों का समावेश होगा। इन प्लांट्स में पहले चरण में भावनगर जिले के काना तळाव में 2200 मेगावॉट के प्लांट के लिए भी यह स्व हुआ है। आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इण्डिया द्वारा सूरत के हजीरा में अन्य एक डाउन स्ट्रीम, कोक ओवन प्रोजेक्ट्स में भी 17 हजार करोड़ रुपए का निवेश होने वाला है। इन सभी प्लांट्स में कुल मिला कर लगभग 1 लाख 80 हज़ार से अधिक प्रत्यक्ष व परोक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। गुजरात सरकार इन प्रोजेक्ट्स को समय पर शुरू करने के लिए नियमानुसार आवश्यक सभी अनुमतियाँ तथा अन्य आवश्यक मामलों के लिए वर्तमान पॉलिसीज तथा नियमों के अधीन रह कर आर्सेलर मित्तल का सहयोग करेगी।

वास्तु डेयरी ने वास्तु बंपर ब्लास्ट लकी ड्रॉ प्रतियोगिता में 51 भाग्यशाली विजेताओं की घोषणा की

कोरोना महामारी के बाद देशभर में FMCG सेक्टर की बड़े पैमाने पर मांग खुल गई है। विशेष रूप से स्वास्थ्य संबंधी खाद्य उत्पादों की बिक्री में तेजी से वृद्धि देखी गई है। प्रतिरक्षा बूस्टर और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले डेयरी उत्पाद के रूप में दाल की बिक्री में भी अच्छी वृद्धि हुई है। ब्रांडेड डेयरी उत्पादों की बिक्री औसतन दोगुनी हो गई है। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते डेयरी ब्रांड, वास्तु डेयरी ने पूरे भारत से लकी ड्रा प्रतिभागियों को कई पुरस्कार प्रदान किए हैं; यह प्रतियोगिता विशेष रूप से कंपनी के वास्तु घी ब्रांड के ग्राहकों के लिए आयोजित की गई थी।

घी के स्वास्थ्य लाभ तो सभी जानते हैं। लेकिन घी भी भाग्यशाली हो सकता है, क्योंकि 26 जनवरी, 2022 को वास्तु बंपर ब्लास्ट ऑफर लकी ड्रॉ के विजेताओं की घोषणा की गई थी। वास्तु डेयरी ने 26 जनवरी को विजेताओं की घोषणा की। देश भर के वास्तु घी ग्राहकों के बीच वास्तु बंपर ड्रा का आयोजन किया गया।

भारत में सबसे तेजी से बढ़ते डेयरी ब्रांड, वास्तु डेयरी के देश के 21 राज्यों में 1 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता और 2000 से अधिक वितरक हैं। इस अवसर पर, श्री भूपत सुखाड़िया, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, वास्तु डेयरी ने कहा कि वास्तु घी अपने ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने के लिए कंपनी के समर्पण का प्रतिनिधित्व करता है।

सुखाड़िया ने कहा, "घी के कई फायदे हैं और हम चाहते हैं कि वास्तु घी जैसे शुद्ध गुणवत्ता वाले घी का सेवन करके अधिक से अधिक भारतीय इसका लाभ उठाएं। समारोह के दौरान सभी 51 विजेताओं की सूची की घोषणा की गई, जिसका सीधा प्रसारण वास्तु के आधिकारिक चैनल सूरत से यूट्यूब, एफबी और इंस्टाग्राम पर किया गया। इस कार्यक्रम में डांस इंडिया डांस (सुपरमॉम्स-सीजन 1) फेम कोरियोग्राफर श्रद्धा शाह सहित सूरत की कई हस्तियां शामिल हुईं। शाह ने डीआईडी डांस का टशन, स्टार प्लस-आईटीए अवार्ड्स में भी भाग लिया है और कलर्स गुजराती और कुछ गुजराती फिल्मों में दिखाई दिए हैं।

पारले एग्रो ने स्मूद कॉफी फ्रैपे के साथ फ्लेवर्ड डेयरी बेवरेज सेगमेंट में हलचल मचाई

डेयरी सेगमेंट में पारले एग्रो की विविधता किसी क्रांति से कम नहीं रही है। इसे जारी रखते हुए, पारले एग्रो ने कॉफी के स्वा द वाला बिलकुल नया ड्रिंक स्मूद कॉफी फ्रैपे लॉन्ची किया है। कई कैटेगरीज और ब्राण्ड्स के पेयों की यह विशाल कंपनी स्मूद के तहत उपभोक्ता ओं के लिये एक नये स्वाद की पेशकश करते हुए डेयरी सेगमेंट में अपनी असाधारण सफलता को जारी रखना चाहती है। नये वेरियेंट को ग्राहकों के लिये एक कैम्पेन द्वारा पेश किया गया है, जिसमें उसके नेशनल ब्राण्डे एम्बेएसेडर वरुण धवन हैं।

खास कैफे जैसा स्वाद और अनुभव सुनिश्चित करने के लिये उच्च गुणवत्ता की सामग्री से बना कॉफी फ्रैपे एक सिल्कीज और स्वादिष्टु कॉफी फ्लेवर्ड मिल्के बेवरेज है। यह स्मूद के क्ला सिक और सुविधाजनक सिंगल सर्व टेट्रा पैक में 85 एमएल के लिये 10 रूपये में उपलब्धह है। स्मूद सबसे पहले दुनियाभर के उपभोक्ता ओं को दो फ्लेमवर्स में पसंद आया था- चॉकलेट मिल्क और टॉफी कैरामल, जिन्होंने अनभगिनत ग्राहकों का दिल जीता था। कॉफी पीने वालों और कैफीन के शौकीनों के बाजार में ज्यालदा हिस्सेमदारी के लिये पारले एग्रो ने 'कॉफी फ्रैपे' लॉन्चश किया है।

कॉफी फ्रैपे के टेलीविजन विज्ञापन में वरूण धवन ''दस का दूध, ओह सो स्मूद!'' जिंगल के साथ नया फ्लेवर पेश करते हैं। इस फ्लेवर्ड मिल्कव ब्राण्डव के मूल संदेश को आवाज देते हुए वरूण धवन की शख्सियत मजेदार लगती है और वे ब्राण्ड के वफादारों को यह ड्रिंक आजमाने के लिये प्रोत्सा हित करते हैं।

स्मूद कॉफी फ्रैपे का अनोखा मूल्या और पैक साइज कॉफी के स्वारद वाले डेयरी पेयों की ब्राण्डे ड रेडी टू ड्रिंक (आरटीडी) कैटेगरी में पहला है और निश्चित रूप से सभी का फेवरेट बनेगा। 85 एमएल पैक के लिये केवल 10 रूपये का बेजोड़ दाम न केवल इसकी पहुँच बढ़ाएगा, बल्कि इसे उपभोक्ता ओं की एक बड़ी संख्या की पहुँच में भी लाएगा। इस सेगमेंट में दूसरे ब्राण्ड्स का प्रीमियम प्राइस देखते हुए, पारले एग्रो का स्मूचद कॉफी फ्रैपे निश्चित तौर पर स्थिति को बदलेगा।

एग्रीटेक स्टार्टअप ब्रियो हाइड्रोपोनिक्स ने कृषि क्षेत्र में विदेशी निवेशकों से निवेश आकर्षित करने के लिए 'उन्नति' परियोजना शुरू की

सूरत।

अहमदाबाद स्थित अग्रणी एग्रीटेक स्टार्टअप ब्रियो हाइड्रोपोनिक्स कंपनी के उत्थान परियोजना के तहत एक मिनी-संयुक्त उद्यम के माध्यम से या संभावित निवेशकों के लिए एक वाणिज्यिक हाइड्रोपोनिक्स फार्म विकसित कर रहा है, ताकि कई उद्देश्यों को पूरा किया जा सके, खुदरा निवेशकों और एफडीआई को आकर्षित किया जा सके और उच्च मूल्य वाली फसलें उगाई जा सकें।, कंपनी के उद्देश्य के अलावा सुगंधित फसलों आदि के क्षेत्र में संचालन को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य विपणन और ब्रांडिंग के माध्यम से देश में कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना भी है।

कंपनी ने पूरे भारत में 48+ वाणिज्यिक हाइड्रोपोनिक्स सेटअप विकसित किए हैं। निवेशकों ने इस पेशकश परियोजना में लगभग पांच मिलियन पूंजीगत व्यय का योगदान दिया है और पांच साल या उससे अधिक के लिए एक साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, निवेशकों द्वारा काल्पनिक भूमि पट्टे के पट्टे की पेशकश की जाती है। समझौते के हिस्से के रूप में, निवेशकों को निवेश की गई पूंजी की राशि पर 10% का काल्पनिक ब्याज दिया जाता है, निवेश की गई राशि पर 10% मूल्यह्रास और शुद्ध लाभ साझाकरण का 70% हिस्सा प्राप्त होगा।

ब्रियो हाइड्रोपोनिक्स हाइड्रोपोनिक्स खेती के लिए एकीकृत हाइड्रोपोनिक्स तकनीक और तकनीकी सहायता की सुविधा के लिए भूमि प्रदान करेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर में कस्टमाइज्ड इंटीग्रेटेड हाइड्रोपोनिक्स स्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के निर्माण और उन्नयन के तहत लागू सभी परियोजनाओं पर रियायती सेवा शुल्क की पेशकश की जाएगी। कंपनी स्थानीय और साथ ही निर्यात व्यवस्था के माध्यम से उत्पाद की बिक्री करते हुए पूरे खेत प्रबंधन को व्यवस्थित और प्रबंधित करेगी, उचित लागत पर नियमित कृषि विज्ञान और तकनीकी रखरखाव की सुविधा प्रदान करना, संरचना रखरखाव और फसलों के लिए तकनीकी इनपुट प्रदान करना। सुविधाओं के उन्नयन से परियोजना के लिए उचित लागत पर जनशक्ति उपलब्ध होगी।

ब्रियो हाइड्रोपोनिक्स की पेशकश और विस्तार की पुष्टि करते हुए, ब्रियो हाइड्रोपोनिक्स के संस्थापक ने कहा, "हम 18% (प्रति वर्ष) रुपये आर.ओ.आई. पेशकश करने का आश्वासन दिया। प्रत्येक छह महीने की भुगतान अनुसूची के पहले 3-4 महीनों की गणना परियोजना निर्माण अवधि के रूप में की जाएगी। शुद्ध लाभ-साझाकरण अनुपात 70% (निवेशक) और 30% (ब्रियो) होगा। हम परियोजना के प्रबंधन में तकनीकी प्रतिबद्धता की गारंटी देते हैं, व्यवसायों के लिए रणनीतिक अंतर्दृष्टि और अवसर प्रदान करते हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)